वर्ष-15, अंक-41
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दूसरों के दोष न देखें। अपना चरित्र सुधारें। अपना चरित्र पवित्र बनाएं। संसार अपने आप सुधर जाएगा।
– स्वामी विवेकानंद

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार, 19 मई 2024

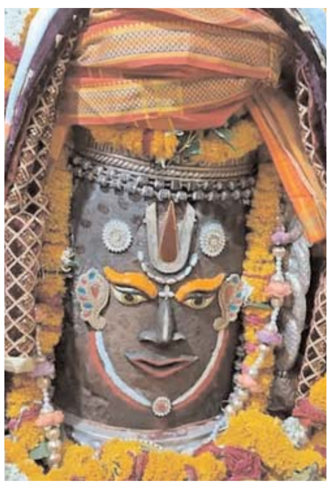

केजरीवाल के सहयोगी को भी जेल

तीस हजारी कोर्ट ने खारिज की बिभव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका

आप सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित हमले के मामले में पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ कथित रूप से मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने खारिज कर दी है। इसके बाद अब वे फिलहाल बाहर नहीं आ पाएंगे। इससे पहले कोर्ट में बिभव कुमार का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने सुनवाई के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि मैंने दलील दी कि उनके खिलाफ कोई मामला नहीं है और यह अंतरिम जमानत का मामला है... मैंने अग्रिम जमानत की वकालत की है क्योंकि उउळश् फुटेज और कवरेज में जो देखा गया है वह सब मालीवाल द्वारा तीन दिन बाद दर्ज कराए गए बयान में नहीं बताया गया है। हालांकि अदालत ने उनकी इन दलीलों को नहीं माना और बिभव कुमार को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। इससे पहले दिल्ली पुलिस की एक टीम दोपहर में कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के लिए मुख्यमंत्री आवास से सिविल लाइंस थाने लेकर गई थी, जहां उन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी से पहले भेजा था एक मेल बिभव ने अपनी गिरफ्तारी से पहले दिल्ली पुलिस को एक मेल भेजा था। जिसमें उन्होंने कहा कि वह जांच में पहले से ही सहयोग कर रहे हैं, जबकि उन्हें पुलिस से कोई नोटिस नहीं मिला है। बिभव ने मेल में लिखा, मुझे मीडिया के माध्यम से यह ज्ञात हुआ है कि सिविल लाइन्स थाने में एक मामला दर्ज किया गया है, जिसमें मुझे आरोपी के रूप में नामजद किया गया है। जबकि मुझे अब तक कोई नोटिस नहीं मिला है, फिर भी मैं स्पष्ट रूप से यह बयान देता हूं कि मैं जांच में सहयोग करने को तैयार हूं और मामले के जांच अधिकारी द्वारा जब भी मुझे बुलाया जाता है, मैं जांच में शामिल होने के लिये तैयार हूं। बिभव ने इस मेल में मालीवाल के खिलाफ अपनी ओर से की गयी शिकायत का भी उल्लेख किया। उन्होंने लिखा, अनुरोध है कि शिकायत को रिकॉर्ड पर दर्ज किया जाए और कानून के मुताबिक उसकी जांच-पड़ताल की जाए।

बिभव पर सांसद मालीवाल से मारपीट का आरोप आप सांसद स्वाति मालीवाल ने बिभव कुमार पर 13 मई सोमवार को उनके साथ सीएम हाउस में मारपीट करने का आरोप लगाया था। स्वाति की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को इस संबंध में आरोपी बिभव कुमार के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद से ही दिल्ली पुलिस की कई टीमें बिभव कुमार को तलाश कर रही थीं। आप की राज्यसभा सांसद द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर में बिभव कुमार कई बेहद गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, बिभव कुमार ने कथित तौर पर स्वाति मालीवाल को कई बार लात और थप्पड़ मारे। स्वाति मालीवाल ने बिभव पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है।

पुलिस ने रीक्रिएट किया सीन इस मामले में गुरुवार को शिकायत दर्ज होने के बाद शुक्रवार को पुलिस की टीम स्वाति मालीवाल को लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंची थी, जहां उन्होंने मालीवाल से कथित वारदात वाले दिन की जानकारी लेते हुए उस दिन का सीन रीक्रिएट किया था। साथ ही कौन कहां खड़ा था इस बारे में भी पूछताछ की थी। इस मामले को लेकर सबूत जमा करने के लिए पुलिस टीम अपने साथ फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी साथ लेकर सीएम हाउस पहुंची थी।

बिभव ने भी की मालीवाल के खिलाफ शिकायत आप सांसद द्वारा एफआईआर कराने के बाद शुक्रवार को केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार ने भी स्वाति मालीवाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि मालीवाल ने 13 मई को मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा में सेंध लगाकर अनधिकृत प्रवेश और वहां हंगामा किया था। पार्टी ने कहा कि जब कुमार ने मालीवाल को रोकने की कोशिश की तो आप सांसद ने उन्हें गालियां देने के साथ ही झूठे केस में फंसाने की धमकी दीं थीं। इस मामले में कुमार ने सिविल लाइंस पुलिस थाने के रत्नड को एक ई-मेल के माध्यम से भेजी शिकायत में कहा कि अब मालीवाल झूठे आरोप लगाकर उन्हें फंसाने की कोशिश कर रही हैं।

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक के इस्तेमाल पर केंद्र को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण मांगा से जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खाद्य फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रासायनिक पदार्थों के उपयोग पर चिंता व्यक्त करने वाली याचिका पर केंद्र और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से जवाब मांगा है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस संबंध में पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और एफएसएसएआई को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत पर्यावरणविद् और वकील आकाश वशिष्ठ द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्राथमिक कारण बन गया है। यह कहा गया है याचिका में याचिका में कहा गया है कि खाद्य फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग/अति उपयोग, कृत्रिम रंग, दालों, खाद्यान्न और अन्य वस्तुओं की कोटिंग और वैक्सिंग के कारण देश भर में बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं। याचिका में कहा गया है कि कीटनाशक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन देश भर में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों का प्राथमिक और प्रमुख कारण बन गया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अनीता शेनॉय ने शीर्ष अदालत से कहा कि याचिकाकर्ता ने देशभर से आंकड़े एकत्र किए हैं जो कीटनाशकों के कारण होने वाली मौतों की बहुत बड़ी संख्या दिखाते हैं।

अब पीएम मोदी की भूमिका में नजर आएंगे बाहुबली के कटप्पा

साउथ के कलाकार सत्यराज अब बायोपिक में दर्शकों का दिल जीतने को तैयार

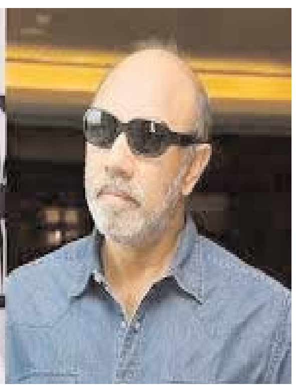

नई दिल्ली। साउथ अभिनेता अपनी दमदार अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। वे कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखा चुके हैं। उन्होंने प्रभास अभिनीत फिल्म फ्रेंचाइजी बाहुबली में कटप्पा का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। यह सत्यराज के करियर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी। वहीं, अब चर्चा है कि सत्यराज एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर अभिनेता की अगली फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वे अगली बार बायोपिक में नजर आने वाले हैं और खबर है यह कि बायोपिक में सत्यराज वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, ये अफवाहें इंटरनेट पर तेजी से फैली हुई हैं। अभी इन खबरों की पुष्टि होना बाकी है। यदि ऐसा होता है तो सत्यराज को पीएम मोदी की भूमिका में देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

कई सितारे निभा चुके पीएम मोदी का किरदार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन के बारे में बनने जा रही यह कोई पहली फिल्म नहीं होगी। इससे पहले भी पीएम मोदी का किरदार कई सितारे निभा चुके हैं। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने 2019 की पीएम मोदी की जीवनी पर आधारित फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी में उनका किरदार निभाया था। इसके साथ महेश ठाकुर समेत अन्य सितारे में पर्दे पर पीएम मोदी बन चुके हैं।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्कूलों की अनूठी पहल

वोट देकर माता-पिता बच्चों के बढ़ाएंगे 10 अंक

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान 20 मई को होगा। वोटिंग का प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग लगातार कोशिशों में जुटा हुआ है। वहीं इस पहल में स्कूल भी योगदान दे रहे हैं। वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए लखनऊ के ?स्कूलों ने अनोखी पहल की है। इस पहल के अनुसार माता पिता ने यदि मतदान किया है तो उनके बच्चों परीक्षा में 10 एक्स्ट्रा मार्क्स दिए जाएंगे। वहीं चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले स्कूल स्टाफ को एक दिन की अतिरिक्त सैलरी प्रदान की जाएगी।

चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाले स्टाफ को एक दिन की अतिरिक्त सैलरी जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सेंट जोसेफ कॉलेज ने पांचवे चरण में 20 मई को जिन स्टूडेंट्स के माता पिता वोट डालने जाएंगे। उन्हें 10 अतिरिक्त नंबर दिए जाएंगे। स्कूल प्रशासन के अनुसार ये 10 नंबर किसी एक सब्जेक्ट में या फिर मिलाजुलाकर टोटल में भी जुड़ सकते हैं। यही नहीं, सेंट जोसेफ के स्टाफ के लोग चुनाव मतदान प्रक्रिया का हिस्सा बनते हैं, तो उन्हें एक दिन की ह्यएक्स्ट्रा सैलरीह्न भी प्रदान की जाएगी। स्याही दिखाने के लिए स्कूल आना होगा मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से यूपी की राजधानी लखनऊ के ही एक और शिक्षण संस्थान क्राइस्ट चर्च कॉलेज ने भी अभिनव पहल की है। इस स्कूल ने भी अपने उन स्टूडेंट्स को 20 अतिरिक्त अंक देने की घोषणा की है, जिनके पैरेंट्स 20 मई को होने वाले मतदान में हिस्सा लेंगे। इसके लिए पैरेंट्स को अगले दिन स्याही लगी अंगुली दिखाने के लिए आना होगा। इससे पहले स्कूल ने गोमती नगर में मतदाता जागरुकता रैली भी निकाली।

20 मई को यूपी की 13 सीटों पर मतदान लखनऊ में 20 मई को पांचवे चरण का मतदान होना है। सात चरणों में होने वाली मतदान प्रक्रिया के चार चरण पूरे हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ सहित 13 सीटों पर मतदान होगा। इनमें मोहनलाल गंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा सीटें शामिल हैं। इसके बाद 25 मई को छठे चरण की वोटिंग और सातवें चरण की वोटिंग 1 जून को होगी। परिणाम 4 जून को घोषित किए जाएंगे।

केजरीवाल बोलेः जेल का खेल न खेलें पीएम

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को शाम पांच बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोला। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कल दोपहर 12 बजे भाजपा मुख्यालय अपने सभी विधायकों और एमपी व पार्टी के सभी बड़े नेताओं के साथ आ रहे हैं। पीएम मोदी जिस-जिस नेता को गिरफ्तार करना चाहते हैं उन्हें गिरफ्तार कर सकते हैं। यह आप के सभी नेताओं को जेल में डालना चाहते हैं। केजरीवाल ने कहा कि मोदी अब सौरभ, आतिशी और मेरे पीए को जेल में डालना चाहते हैं। प्रधानमंत्री, एक-एक करके क्या आप हम लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं? एक साथ सभी को गिरफ्तार कर लीजिए। आप देख सकते हैं कि वे किस तरह से 'आप' के पीछे पड़े हैं। मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहूंगा। आप यह 'जेल का खेल' खेल रहे हैं।

आईसीआईसीआई की नींव रखने वाले दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का निधन

नई दिल्ली। वित्तीय समूह आईसीआईसीआई की नींव रखने वाले दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का शनिवार को निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। वह गंभीर हालत में चेन्नई के अपोलो अस्पताल में पिछले दो दिनों से वेंटिलेटर पर थे। उनके परिवार के सदस्य ने मीडिया को बताया कि गिरने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वे बेहोश थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा हैं। नारायणन वाघुल ने भारतीय स्टेट बैंक में अपना करियर शुरू किया था। वे महज 44 साल की उम्र में एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकझ्र बैंक ऑफ इंडिया के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बने। हालांकि उन्होंने नौकरशाहों के हस्तक्षेप से नाराज होकर बैंकिंग छोड़ दी थी।

जूता कारोबारियों पर आयकर छापा

बरामद हुई इतनी रकम, मशीनों से नोट गिनते-गिनते थके अधिकारी, अब तक 40 करोड़ मिले

आगरा में आयकर विभाग ने शहर के तीन बड़े जूता कारोबारियों के यहां तलाशी ली। इसमें अब तक 40 करोड़ रुपये नकद बरामद किए जाने की जानकारी मिली है। आयकर विभाग ने शनिवार को एमजी रोड के बीके शूज, धाकरान के मंशु फुटवियर और हींग की मंडी के हरमिलाप ट्रेडर्स पर एकसाथ कार्रवाई की है। गिनती के लिए बैंकों से नोट गिनने की मशीनें मंगवाई गई हैं। रात तक नोटों की गिनती जारी रही।आयकर चोरी की सूचना पर आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने आगरा, लखनऊ, कानपुर के कर्मचारियों के साथ इन कारोबारियों के छह ठिकानों पर कार्रवाई की। इनमें बीके शूज के एमजी रोड स्थित प्रतिष्ठान और सूर्य नगर स्थित घर की तलाशी ली गई। जूते की ट्रेडिंग कर रही मंशु फुटवियर और बीके शूज के मालिक रिश्तेदार हैं और बीते कुछ सालों में ही बाजार में बड़ा नाम बन गए हैं। हरमिलाप ट्रेडर्स का शू मैटेरियल का काम है।

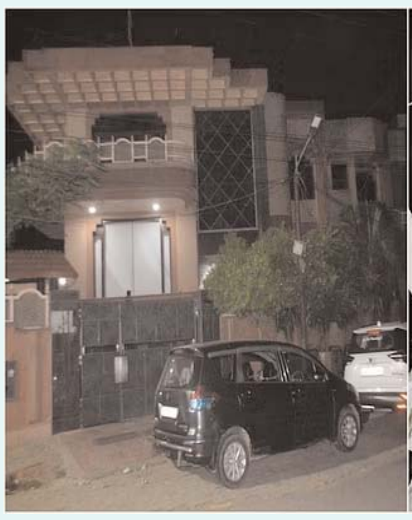

निवेश और सोना खरीद की जानकारी मिली

इन्वेस्टिगेशन विंग की 12 से ज्यादा टीमों ने कार्रवाई की। कारोबारियों के पास से भारी मात्रा में जमीन में निवेश, सोने की खरीद की जानकारी भी मिली है। इनर रिंग रोड के पास कारोबारियों ने बड़ा निवेश किया है। लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं और उनसे डाटा लिया गया है। रसीदें और बिल के साथ स्टॉक रजिस्टर की जांच में कई हैरान कर देने वाली जानकारियां मिली हैं। एक प्रतिष्ठान के संचालक ने अपने आईफोन का लॉक नहीं खोला। उसमें लेनदेन के कई राज छिपे हैं।

सिंगल कॉलम

पुलिस को देखकर भाग रहे आठवीं के स्टूडेंट के कंधे पर टंगी बंदूक और तीन कारतूस जब्त

इंदौर। इंदौर की छोटी ग्वालटोली ने एक आठवीं के स्टूडेंट को पकड़ा है। आरोपी के कंधे पर 12 बोर की बंदूक टंगी हुई थी। पुलिस को देखकर वह भाग रहा था। उसके पहले ही उसे दबोच लिया गया। छोटी ग्वालटोली पुलिस ने हरदा में रहने वाले 17 साल के नाबालिग को पकड़ा है। शुक्रवार रात जब पुलिस चैकिंग कर रही थी तो वह उसके कंधे पर 12 बोर की बंदूक टंगी थी। पुलिसकर्मियों ने उसे रोका तो वह भागने लगा। इसके बाद जवानों ने उसे पकड़ा और पूछताछ की तो वह जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद उसे थाने लाकर अफसरों से बात कर आर्म्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पकड़ाए नाबालिग ने पुलिस को बताया कि वह आठवीं क्लास की पढ़ाई कर रहा है। उसके पास से तीन कारतूस भी मिले हैं। पुलिस बंदूक को लेकर उससे पूछताछ कर रही है।

नशे के सौदागरों पर कार्रवाई को हाईकोर्ट ने सही ठहराया

इंदौर। नशा बेचने वालों के खिलाफ कमिश्नर दीपक सिंह द्वारा की कार्रवाई को हाई कोर्ट ने सही ठहराया है। कमिश्नर ने पिछले माह एनडीपीएस एक्ट में तस्कर उषा उर्फ काली, पांगु बाई उर्फ सरिता और आमिर खान को 6-6 माह के लिए के लिए केंद्रीय जेल भोपाल में निरुद्ध कराया था। आरोपियों के नाम अपराधी पांगु बाई उर्फ सरिता पति स्व. विनय भूरिया निवासी 121, भील कॉलोनी, उषा उर्फ काली पति रामअवतार वर्मा निवासी- 858, कुम्हारखाड़ी, बाणगंगा, इंदौर आमिर खान पिता समीर खान उर्फ चमलु खान, निवासी प्रतापगढ़ राजस्थान को नशे का व्यापार करने के मामले में निरुद्ध कराया था। यह तीनों कुख्यात अपराधी होकर अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने में लिप्त हैं। पहले भी नशे की तस्करी करते पकड़े जाने के बाद फिर करने लगे थे। आरोपी अपने एजेन्ट, बिचौलियों के साथ मिलकर नशे की खरीद-फरोख्त कर अलग-अलग स्थानों पर बेचते थे। इनके खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्र में केस दर्ज हैं।

.महू-इंदौर रेल लाइन बंद होने से अपडाउन करने वाले हजारों हजारों लोग परेशान

इंदौर। रेलवे ने 16 से 31 मई तक इंदौर से महू के बीच कई ट्रेनों को बंद कर दिया है। इसका कारण राऊ और महू के बीच यार्ड का काम होना है और लाइनों को लिंक करना है, लेकिन यात्रियों की सुविधा के लिए यहां न अतिरिक्त बसें चलाई गई और न ही वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इसके कारण डेली अपडाउनर्स परेशान हो रहे हैं। इस रूट पर अपडाउनर्स के लिए सिटी आईबस की मांग भी रखी गई थी, जो पूरी नहीं हो पाई है। इस रूट पर इंदौर-महू के बीच उपनगरीय बसें चलती हैं, लेकिन वे मनमाने तरीके से चलती हैं और उनमें किराया भी ज्यादा लगता है। पिछले साल तक इंदौर से महू के बीच आईबस का संचालन हो रहा था, लेकिन यात्री नहीं मिलने के कारण उसे बंद कर दिया गया। अब चूंकि 16 से 31 मई तक 15 दिन के लिए रेलवे ने राऊ से महू के बीच ब्लाक लिया है, जिससे एक तरह से इंदौर से महू के बीच का रेल संपर्क टूट गया है। ट्रेनें समय और समय का पाबंद साधन होने से इंदौर से महू के बीच अपडाउन करने वाले हजारों लोग अब परेशान हो रहे हैं।

15 दिन के लिए उन्हें उपनगरीय बसें में महंगा किराया देकर सफर करना पड़ेगा। डेली अपडाउनर्स अशोक पंवार ने बताया कि इंदौर से महू के बीच आईबस चलाने के लिए हमने चुनाव के दौरान विधायक उषा ठाकुर से मांग की थी, लेकिन पांच महीने बाद भी बस नहीं चल पाई। इसी दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पूर्व विधायक अंतरसिंह दरबार से भी इस बीच आईबसें चलाने की मांग की गई, लेकिन अभी तक बसें चालू नहीं हुई हैं। सैकड़ों अपडाउनर्स का कहना है कि इंदौर से महू के बीच ऐसे समय बसें चलाई जाएं, जो समय अपडाउनर्स का होता है। इन बसों को यात्री भी मिलेंगे और सिटी बस का पास मिल जाने से यात्रियों को यह यात्रा महंगी भी नहीं पड़ेगी।

बम की गिरफ्तारी के लिए कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

इंदौर। शहर कांग्रेस कमेटी के कार्य-वाहक अध्यक्ष और मप्र राजीव विकास केन्द्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में निगरानी उड़न दस्ते ने शनिवार को आरोपी अक्षय बम की गिरफ्तारी की मांग को लेकर खजराना पुलिस थाने के प्रभारी सुजित श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा कि सेशन कोर्ट से उसकी अग्रिम जमानत अर्जी खारिज हो चुकी है। निचली अदालत द्वारा उसके व अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा 307 बढ़ाए जाने के बाद अक्षय बम का गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा चुका है। वारंट थाना खजराना पर भेजा जा चुका है तो अक्षय बम को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। वह देश से बाहर भाग सकता है इसलिए उसका पासपोर्ट जब्त किया जाए या पासपोर्ट निरस्त किया जाए। कोर्ट के आदेश का पालन किया जाए और उसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाए। यादव ने बताया कि बम पर कोर्ट के आदेश पर धारा 307 बढ़ाई गई थी।

इस मौसम में पहली बार 41 डिग्री पार हुआ पारा

दिन का तापमान 41.3 डिग्री पर पहुंचा, दो दिनों में हो सकती है बूंदाबांदी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में पिछले दो-तीन दिनों से मौसम अलग-अलग रंग दिखा रहा है। दिन में तेज धूप और उमस परेशान कर रही है तो शाम को बादल छाने के बाद बूंदाबांदी हो रही है। इसके बावजूद लोगों को भीषण गर्मी से राहत नहीं है। शनिवार को इस मौसम में पहली बार तापमान 41 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिनों के भीतर फिर बूंदाबांदी के आसार नजर आ रहे हैं।

इंदौर में पिछले तीन दिनों से उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। दो दिन से दिन का तापमान 39 डिग्री से ज्यादा था। शनिवार को तापमान 41.3 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह इस सीजन का सबसे ज्यादा तापमान है। इस दौरान दिन में गर्म हवाओं और उमस ने लोगों को बेचैन कर दिया। गुरुवार को दिन का तापमान 39.8 (-1) डिग्री और रात का तापमान 28 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। शुक्रवार को दिन का तापमान 39.9 (-1) और रात का तापमान 26.8 (+2) डिग्री सेल्सियस रहा। इसके पूर्व गुरुवार की रात इस सीजन की सबसे गर्म रात थी। इस बार भले ही दिन में गर्मी काफी है लेकिन मई के 17 दिनों में 11 दिन ऐसे रहे जब दिन का तापमान औसत से भी कम रहा। रात का तापमान 17 दिनों में दो बार औसत से कम रहा।

नार्थ-ईस्ट राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक नार्थ-ईस्ट राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम है। वहां से एक ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। मध्य प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस ट्रफ लाइन के साथ एक्टिव है। एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर होगा। इसके चलते कहीं तेज गर्मी है तो कहीं बारिश-आंधी की संभावना है। इंदौर में एक-दो दिन तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव रहेगा। इस दौरान दोपहर बाद बादलों के छाने के साथ कहीं-कहीं बूंदाबादी या हल्की बारिश हो सकती है। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में पारा 40.2 डिग्री, इंदौर में 39.9 डिग्री, जबलपुर में 35.4 डिग्री और उज्जैन में पारा 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धार-इंदौर में शुक्रवार को हल्की बारिश हुई।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

18 मई- ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में हीट वेव चल सकती है। वहीं, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, नरसिंहपुर, जबलपुर, उमरिया, कटनी, दमोह, सागर, पन्ना में आंधी-बारिश का मौसम रहेगा।

19 मई- श्योपुरकलां, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर और दमोह में गर्म हवाएं चलेंगी।

20 मई- ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, गुना, अशोकनगर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और हरदा में हीट वेव का असर रहेगा।

21 मई- ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और हरदा में गर्म हवाएं चलेंगी।

आत्महत्या या हत्या : रणजीत सिंह कॉलेज में पढ़ता था छात्र, महिलाओं की तरह मेकअप से पुलिस हैरान, आसपास फैला था खून

छात्र का फंदे पर लटका था शव

दुल्हन की तरह कर रखा था श्रृंगार

सिटी चीफ इंदौर।

शहर के रणजीत सिंह कॉलेज में बीएससी सेकंड ईयर के छात्र का शव फंदे पर लटका मिला। खंडवा नाका इलाके में शुक्रवार देर रात यह घटना हुई। छात्र ने महिलाओं जैसी साड़ी पहन रखी थी और उनकी तरह ही उसका मेकअप भी था। उसने दुल्हन की तरह श्रृंगार कर रखा था। पुलिस को प्रारंभिक रूप से मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। सुसाइड किया है या किसी ने मारकर लटकाया है, इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है। उसके दोनों हाथ बंधे हैं और आंख पर पट्टी बंधी थी। शव के आसपास खून भी बिखरा मिला है।

पुलिस ने बताया कि पुनीत त्रिभुवन दुबे निवासी रायसेन (31) इंदौर में पढ़ाई के लिए आया था। खंडवा नाका इलाके की एक मल्टी में किराए से रूम में रह रहा था। पिता त्रिभुवन ने बताया शुक्रवार रात उसे कॉल किया था तो उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उन्होंने इंदौर में ही रहने वाले एक परिचित से बेटे के घर जाकर बात करने के लिए कहा था। इसके बाद इस घटना की जानकारी मिली।

दोस्त बोले वह इस तरह नहीं रहता था आठ दिन पहले ही पुनीत ने इसी बिल्डिंग में अपना रूम बदला था। परिवार के लोगों ने बताया पहले वह दो दोस्तों के साथ रहता था। परिवार ने उन दोनों दोस्तो से भी बात की। उन्होंने बताया कि पुनीत इस तरह कभी नहीं रहता था। उसे देखकर हमें भी आश्चर्य हुआ। पिता को भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि दो महीने पहले ही पुनीत का जन्मदिन था। मां विभुति उससे मिलने इंदौर गई थी। काफी दिन उसके साथ रही, लेकिन कभी उसके वेशभूषा के बदलाव नहीं देखा और न ही महसूस किया। वह लड़कों जैसे ही कपड़े पहनता है। परिजन ने पुलिस को पुनीत की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। प्रत्येक बिंदु पर जांच कर रही पुलिस मृतक ने साड़ी, चूड़ियां पहन रखी थी। आंखों पर पट्टी और हाथ भी बंधे थे। पिता त्रिभुवन दुबे खेती करते है। उन्होंने पुलिस को बताया कि पुनीत कोचिंग से निकलते ही कॉलेज करता था। लेकिन शुक्रवार को किसी से बात नहीं की। पहले दोस्तों के साथ रूम लेकर रहता था। आठ दिन पूर्व ही उसने भाटिया की मल्टी में कमरा लिया था। पुलिस के मुताबिक मामला आत्महत्या का ही है, लेकिन प्रत्येक बिंदु पर जांच की जा रही है।

डेढ़ साल में सौ से ज्यादा प्रजातियों के सरीसृप और पक्षी लाए गए

चिड़ियाघर में जानवर को निहारने के लिए दर्शकों का टोटा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में दर्शकों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। बीते वर्ष की तुलना में 74 हजार पर्यटक घट गए और तीस लाख रुपये की आय कम हुई थी। एनिमल एक्सचेंज के तहत सालभर में विदेशी प्रजातियों के कई जानवर लाए गए हैं,लेकिन उन्हें निहारने वाले नहीं मिल रहे हैं।

चिड़ियाघर प्रभारी डॉ. उत्तम यादव, चिड़ियाघर बताते है कि पिछले कुछ सालों में चिड़ियाघर में जानवरों और पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ी हैं, सोमवार को चिड़ियाघर बंद रहता है। इस साल 15 अगस्त और 26 जनवरी सहित कई त्योहार सोमवार को आए। ऐसे में पर्यटकों की संख्या बढ़ती है। उस दिन साप्ताहिक अवकाश रहने से पर्यटकों की संख्या और आय में कमी हो गई। पिछले साल विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान को बढ़ाने के उद्देश्य से चिड़ियाघर में निशुल्क प्रवेश दिया गया था। इससे कमाई पर थोड़ा असर पड़ा है।

जामनगर से लाए गए 300 जानवर

चिड़ियाघर से बाघ-शेर और सियार सहित कई जानवरों को अन्य चिड़ियाघर में भेजा गया है, मगर गुजरात के जामनगर चिड़ियाघर में दो साल पहले 6 शेर और 5 बाघ एनिमल एक्सचेंज के तहत दिए गए। बदले में वहां से अक्टूबर-नवंबर 2022 से विदेशी पक्षियों व प्राणियों के आने का सिलसिला शुरू हुआ डेढ़ साल के भीतर सौ से ज्यादा प्रजातियों के सरीसृप और पक्षी लाए गए। इसमें स्कारलेट मकाऊ, ब्लू गोल्ड, लारी, बंगाल विच साहित करीब 300 जानवर है। अधिकांश जानवरों को बर्ड हाउस में पर्यटकों के निहारने के लिए रखा गया है।

इस साल चिड़ियाघर ने पूरे किए 50 साल

इस साल चिड़ियाघर ने पचास साल पूरे किए हैं, इसे 1974 में स्थापित किया था। यहां 650 से ज्यादा प्रजातियों के 1500 से ज्यादा जानवर हैं। इनमें बाघ और शेरों वन्य जीव, पक्षी, सरीसृप शामिल हैं। एनिमल एक्सचेंज के तहत कई जानवर अन्य चिड़ियाघर में भेजे और लाए गए। वित्तिय वर्ष 22-23 में करीब 18 लाख दर्शक आए, जिससे साढ़े चार करोड़ की आय हुई। जबकि वित्तिय वर्ष 2023-24 में आए करीब साढ़े सत्रह लाख लोग आएं, जो 74 हजार लोग कम होने से सीधे 30 लाख रूपए का घाटा हुआ। अधिकारियों के अनुसार पर्यटक घटने से चिड़ियाघर की आय कम हुई है। 2020-21 और 2021-22 में 50 हजार से लेकर सवा लाख पर्यटक ही आते थे।

इस तरह हुई चिड़ियाघर को आय

पर्यटक और कमाई की बात करें तो 2017-18 में 16668440 आय हुई। जिसमें 1521392 पर्यटक आएं। वहीं 2018-19 में 19645578 आय हुई थी। जिसमें 1179270 लोग आए। इसके अलावा 2019-20 में 33099492 आय थी और 1517713 लोग थे। फिर 2020-21 में 14795151 रूपए सहित 590513 पर्यटक। 2021-22 – 30940208 आय- 1215915 पर्यटक,2022-23 में 47341022 आय 1867599 पर्यटक, 2023-24 में 44245655 आय 1793334 पर्यटक।

एप्पल कंपनी के डीलर से धोखाधड़ी

सिटी चीफ इंदौर।

पलासिया में एप्पल कंपनी के डीलर के साथ धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने निजी कंपनी के दंपती और अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। महाराष्ट्र की सॉफ्टवेयर कंपनी और एजुकेशनल इंस्टिट्यूट ने करीब 2 करोड़ की धोखाधड़ी की है।

पलासिया पुलिस के मुताबिक रितेश खंडेलवाल (एजिस इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड), निवासी तुलसी चैम्बर्स ओल्ड पलासिया की शिकायत पर महमद लुकमान मखदूम देसाई उनकी पत्नी नुसरत शोएब महमद मखदूम देसाई एच ए इंफ्रा-कान प्राइवेट लिमिटेड आफिस नंबर 204 , सर्वे नंबर 112/3 सिग्रेट हाउस पुलिस स्टेशन के सामने आलंदी रोड येरवडा पुणे, वसीम मोहम्मद पुत्र इशाक शेख, प्रथमेश पुत्र प्रकाश देशमुख, श्रीधरन गोपाल आयंगर, सादिक गुलाम करवंडीकर , रिजवान दस्तगीर करवंडीकर और शोएब महमद मखदूम देसाई के खिलाफ 406, 409, 420, 467, 468, 471 की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। रितेश खंडेलवाल ने बताया कि इंदौर की कम्पनी को पुणे (महाराष्ट्र) स्थित फर्म डब्ल्यू एम इनोवेटिव टेक्नोकॉन द्वारा संपर्क कर 2022 में माल भेजा था। रितेश के मुताबिक शोएब ने सोलापुर स्थित बाम्हदेव दादा माने इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलॉजी को माल भेजने की बात की गई। जिसमें प्रोडक्ट की सप्लाई की गई। इसमें एच ए इंफ्रा-कान ने पहले 33 लाख 90 हजार का माल बुलवाया, लेकिन पेमेंट नही किया। वहीं पुणे महाराष्ट्र की दूसरी कंपनी निओ ग्लोब मल्टी ट्रेडकाफ्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सादिक की तरफ से एजुकेशन इंस्टिट्यूट में एप्पल प्रोडक्ट की डिमांड करते हुए डील की गई। यहां भी लाखों का माल बुलाया गया। लेकिन पेमेंट नही किया गया। रितेश खंडेलवाल ने पुलिस को बताया कि बाम्हदेव दादा माने इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलॉजी का जो डील का आदेश एलएलपी कंपनी द्वारा हमें बताया गया था। वह बाद में पता चला कि फर्जी है। इस संस्थान को माल भेजा ही नहीं गया।

मेंगो जत्रा में सुबह से शाम तक उमड़ रहे हापुस आम के शौकीन

एक ही जगह हापुस आम की अलग-अलग किस्में

सिटी चीफ इंदौर।

इस बार मौसम के साथ देने से कोंकण के तटों पर हापुस आमों की बहार आई हुई है। मेंगो जत्रा में एक ही जगह पर उपलब्ध हापुस आम की कई किस्में लोगों को आकर्षित कर रही है। दरअसल, पिछले साल बेमौसम बारिश ने फलों के राजा हापुस आम का जायका बिगाड़ दिया था और उत्पादन आधा हो गया था लेकिन इस बार उत्पादन अच्छा है। इस कारण हापुस आम भी सस्ता है।

मराठी सोशल ग्रुप के सालाना आयोजन मेंगो जत्रा में सुबह से लेकर शाम तक हापुस आम के शौकीन आम का स्वाद चखने के लिए उमड़ रहे है। आयोजक सुधीर दांडेकर व राजेश शाह ने बताया कि जत्रा में करीब 23 से अधिक आम उत्पादकों ने हिस्सा लिया। रत्नागिरी, देवगढ़ (कोंकण) के आम उत्पादक वहां के विशिष्ट हापुस आम और अन्य उत्पाद लेकर इंदौर आए है। पहले दिन अंदाजन तकरीबन 12 हजार दर्जन आम खरीदे गए। एक ही जगह हापुस आम की अलग-अलग किस्में इंदौरवासियों को भी प्रभावित कर रही है।

विशेष स्वाद, मिठास के लिए प्रसिद्ध है हापुस

हापुस आम कोंकण के देवगढ़ और रत्नागिरी क्षेत्र मे ही पाया जाता है, विशेष रूप से अपने खूबसूरत आकार और मीठे स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। हापुस आम सबसे स्वादिष्ट होता है। इसका रंग केसरिया होता है और आम खुशबूदार होता है। यह आम अपने विशेष स्वाद, मिठास के लिए प्रसिद्ध है। इसका रंग और गंध भी अन्य आमों से अलग होता है। यह आम स्वास्थ्य के लिए उपयोगी होता है। इसका चमकदार रंग और भारी फल भी इसे अन्य आमों से अलग बनाता है। हापुस आम में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है। इसके सेवन से ब्लडप्रेशर नियंत्रित रहता है।

गुठलियां ले जा रहा वन विभाग

जत्रा में संस्था ने नाम मात्र के शुल्क पर हापुस आम के चखने की व्यवस्था की है। शुक्रवार को छह सौ आम लोगों ने खाए। हापुस की जो गुठलियां बच रही है। वह वन विभाग को सौंपी जा रही है ताकि वे उसकी गुठलियों से हापुस आम के पौधे तैयार कर सके।

सगाई होते ही नाबालिग से बनाए संबंध बाद में शादी से मुकरा, प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ भोपाल
निशातपुरा थाना पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके मंगेतर के खिलाफ दुष्कर्म, पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपित ने युवती के नाबालिग रहते समय सगाई की थी। उसके बालिग होने पर शादी करने की बात तय हुई थी। लेकिन आरोपित ने सगाई के बाद उसके नाबालिग रहते समय ही शारीरिक संबंध बनाना शुरू कर दिया था। उसके बालिग होने के बाद आरोपित ने उससे शादी करने से मना कर दिया। इस पर पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपित के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी। निशातपुरा थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में रहने वाली युवती ने स्वजन के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसमें बताया कि 17 वर्ष की उम्र में वर्ष 2022 में उसकी सगाई स्वजन की सहमति से उमर रहमान से हुई थी। तय हुआ था कि किशोरी के बालिग होने के बाद शादी की जाएगी। सगाई के कुछ दिन बाद उमर ने कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। उसके बाद वह लगातार उसका शारीरिक शोषण करने लगा था। पिछले दिनों उमर ने शादी करने से मना कर दिया। स्वजन ने उसे समझाने की काफी कोशिश भी की, लेकिन वह नहीं माना। पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है।

लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा, रेल यात्री घर बैठे जरनल टिकट कर सकते हैं बुक

सिटी चीफ भोपाल
भोपाल। ट्रेनों में जनरल कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों को टिकट खिड़की पर लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा। बल्कि सीधे मोबाइल से ही यात्री टिकट प्राप्त कर सकेंगे। रेलवे ने साधारण श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को आसान टिकट सुविधा प्रदान करने के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल एप में अहम बदलाव किया है। जिससे यात्री घर बैठे टिकट ले सकता है। इस योजना को बढ़ाने के लिए जल्द ही रेलवे अपने यात्रियों को उपहारों की सौगात भी दे सकता है। जिसके लिए भोपाल मंडल रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजने जा रहा है।

यात्रियों की सहूलियत के लिए लागू की सुविधा
रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि इस सुविधा का लाभ लेते हुए अब घर बैठे-बैठे लोग जनरल टिकट बना रहे है। भोपाल रेल मंडल में इस सुविधा को लेकर लगातार जागरूक अभियान चलाया जा रहा है। इसके चलते इस एप से टिकट लेने वाले यात्रियों की संख्या अब बढ़कर सात फीसदी से अधिक हो गई है। जून माह तक भोपाल मंडल का लक्ष्य है कि यह संख्या दस फीसदी पहुंचाई जाए। यह सुविधा यात्रियों की सहूलियत के लिए लागू की गई है। जिससे लोगों को लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। साथ ही इस एप से यात्रियों की ट्रेनों को लेकर भी जानकारी मिल सकेगी।

कमरे में बंधक बनाकर आठवीं की छात्रा से दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल
शहर के गांधीनगर थाना इलाके में कालेज के छात्र ने आठवीं की छात्रा को कमरे में बंधक बनाकर उससे दुष्कर्म कर दिया। डरी-सहमी किशोरी किसी तरह लौटकर घर पहुंची और स्वजन को इसके बारे में बताया। इसके बाद स्वजन किशोरी को लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। इसकी भनक लगने पर आरोपित युवक फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

गांधीनगर थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी आठवीं की छात्रा है। उसके घर से कुछ दूर रहने वाली नानी के घर में दुकान है। उस दुकान पर सुशांत नाम के युवक का आना-जाना था। सुशांत पास के कालेज में पढ़ता है और उसी बस्ती में किराए पर कमरा लेकर रहता है। पहचान होने के बाद किशोरी सुशांत से फोन पर बात करने लगी थी। 14 मई को सुशांत, किशोरी को अपने साथ कमरे पर पर ले गया था। वहां कुछ देर तक बातचीत करने के बाद उसने किशोरी को घर जाने दिया। 16 मई को सुबह 10 बजे सुशांत ने किशोरी को चाय पीने के बहाने से कमरे पर बुलाया। किशोरी के वहां पहुंचने पर उसने कमरा बंद कर उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। किशोरी ने घटना के बारे में स्वजन को बताया। उसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करा दी।

झांसी के सटोरियों ने जमा रखा था अड्डा

आइपीएल मैचों पर ऑनलाइन खिला रहे थे सट्टा, नौ गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल
अयोध्या नगर क्षेत्र में आइपीएल पर आनलाइन सट्टा खिलाने के लिए झांसी के सटोरियों ने मिनाल में अपना अड्डा बना रखा था। जब इसकी भनक भोपाल क्राइम ब्रांच को लगी तो मौके पर पहुंची टीम ने दबिश देते हुए नौ सटोरियों को गिरफ्तार किया। सभी आइपीएल मैचों में सट्टा आइडी बनाकर हार-जीत पर दांव लगवा रहे थे। उनके कब्जे से पुलिस ने 17 मोबाइल सहित लाखों रुपये का हिसाब जब्त किया है।

क्राइम ब्रांच पुलिस के मुताबिक, मुखबिर ने शनिवार को सूचना दी थी कि अयोध्या नगर स्थित डी 645 न्यू मिनाल रेसीडेंसी में आइपीएल में होने वाले मैच मुंबई-लखनऊ पर कुछ लोग आनलाइन सट्टा खिला रहे हैं। जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और दबिश दी तो घर के अंदर कुछ युवक मोबाइल पर आइपीएल मैच पर आनलाइन सट्टा खिला रहे थे। पुलिस ने सख्ती से दरवाजा खुलवाया तो अंदर नौ लड़के अपने हाथ में मोबाइल लिए हुए थे, जो आनलाइन क्रिकेट सट्टा आइडी में रुपये का दांव लगाते हुए मिले। पुलिस पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान सांसोर उत्तर प्रदेश निवासी नवीन राय और आठ सटोरिये झांसी निवासी प्रफुल्ल राय, मयंक कुशवाह, अजय राय, प्रशांत राय, सुमित पाखरे, राहुल, अखिलेश वर्मा और प्रदीप राय के रूप में बताई।

छह महीने पहले लिया था किराए पर घर
एडीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि झांसी के पकड़ाए सटोरियों ने छह महीने पहले मिनाल में मकान किराए से लिया था। इसके बाद से ही उन्होंने मकान को सट्टा घर में बदल डाला था। उनके कब्जे से आइपीएल पर सट्टा खिलाने के लिए उपयोग की जा रही 20-20 लाख की आइडी भी बरामद हुई है। साथ ही कुल 17 मोबाइल फोन, तीन रजिस्टर, तीन पेन, चार चार्जर व एक वाईफाई मोडेम भी जब्त किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

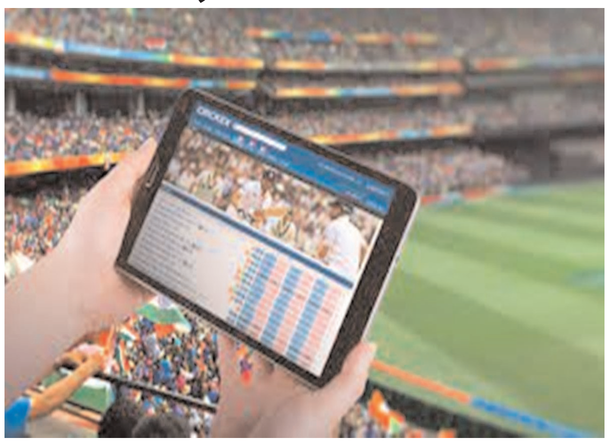

जेल के बाहर हुए हत्याकांड में जुड़ सकता है हिस्ट्रीशीटर बदमाश का नाम

स्वजन ने युवक का शव सड़क पर रख किया प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल
सेंट्रल जेल के बाहर शुक्रवार शाम हुई सुरेंद्र कुशवाहा नामक युवक की हत्या के मामले में सभी आरोपित फरार हैं। उधर शनिवार को दोपहर में स्वजन और बस्ती के लोगों ने लिंक रोड नंबर-दो पर युवक का शव सड़क पर रखकर करीब एक घंटे तक प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि सुरेंद्र की हत्या एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश के इशारे पर की गई है। पुलिस ने उसे आरोपित नहीं बनाया है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों द्वारा जांच के बाद उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

गांधीनगर थाना पुलिस के मुताबिक पंचशील नगर निवासी 28 वर्षीय सुरेंद्र कुशवाहा शुक्रवार शाम को अपने दोस्त विकास वर्मा, ईशु खरे के साथ ईशू के बड़े भाई सतीश खरे को सेंट्रल जेल छोड़ने गए थे। हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा सतीश पेरोल पर था। शुक्रवार को उसकी पेरोल अवधि समाप्त हुई थी। सतीश के जेल में जाने के बाद जेल के बाहर सांची पार्लर के पास खड़े होकर घर लौटने की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान वहां पहुंचे संदेश नरवारे, आकाश भदौरिया, छोटा फैजल और दीपांशु सेन ने चाकू से हमला कर दिया। सुरेंद्र की जांघ में चाकू का गहरा घाव लगा था, जबकि विकास के हाथ में चाकू लगा था। मारपीट करने के बाद सभी बदमाश भाग निकले थे। दोनों घायलों को उनके साथी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां अधिक खून बह जाने के कारण सुरेंद्र की मौत हो गई थी।
शव से लिपटकर रोती रहीं मां-बहन सुरेंद्र परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता का काफी पहले निधन हो चुका था। परिवार में मां और बहन है। शनिवार को दोपहर के समय सुरेंद्र का शव उसके घर पहुंचा तो उसकी मां बेहोश हो गई। स्वजन और बस्ती के लोग शव को लेकर नर्मदाभवन के सामने पहुंचे। लिंक रोड नंबर - दो पर उसका शव रखकर चक्काजाम कर दिया। वे लोग पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। स्वजन और सुरेंद्र के दोस्तों का आरोप था कि इस हत्याकांड में हिस्ट्रीशीटर बदमाश तंजिल और भूरा हड्डी नाम का बदमाश भी शामिल हैं, लेकिन पुलिस ने एफआइआर में उनका नाम नहीं जोड़ा है। इस दौरान मां और बहन को रो रोकर बुरा हाल था। वह बार-बार सुरेंद्र के शव से लिपटकर विलाप कर रही थीं। उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए।

एडीशनल डीसीपी, जोन-चार मलकीतसिंह ने बताया कि इस मामले में स्वजन और मृतक के साथियों के बयान लिए जा रहे हैं। कुछ और बदमाशों के इस वारदात में शामिल होने की बात सामने आ रही है। साक्ष्य मिलने पर आरोपितों की संख्या बढ़ सकती है। फरार बदमाशों की तलाश में पुलिस उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

2011 में हुई थी मुकेश कामले ही हत्या
वर्ष 2022 में पंचशील नगर निवासी मुकेश कामले उर्फ भाऊ की हत्या कर दी गई थी। उस मामले में सतीश खरे व अन्य को आजीवन कारावास की सजा हुई है। सुरेंद्र के दोस्तों का आरोप है कि सुरेंद्र की हत्या करने वाले मुकेश के गिरोह से जुड़े हैं।

शिप्रा जल से ही होंगे शाही स्नान, मोक्षदायिनी को निर्मल और अविरल बनाने की तैयारी

सिटी चीफ भोपाल
सिंहस्थ 2028 के पहले उज्जैन की शिप्रा नदी को निर्मल और अविरल बनाया जाएगा। हर 12 वर्ष में होने वाले इस महाकुंभ में प्रत्येक शाही स्नान केवल शिप्रा जल से होगा। इसकी तैयारी आरंभ कर दी गई है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने आरोप लगाया कि शिप्रा का जल आचमन योग्य नहीं रह गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिप्रा में डुबकी भी लगाई और तैरकर बता दिया कि मोक्षदायिनी शिप्रा का जल स्वच्छ है। अब मुख्यमंत्री इस तैयारी में हैं कि सिंहस्थ 2028 से पहले मां शिप्रा के प्रवाह को अविरल और निर्मल बना दिया जाए। सिंहस्थ 2016 में नर्मदा जल को शिप्रा में डालकर शाही स्नान के लिए शुद्ध जल की व्यवस्था की गई थी लेकिन कई साधु- संत इससे नाराज थे। यही वजह है कि अब शिप्रा जल से ही सिंहस्थ स्नान होगा। 20 मई को मुख्यमंत्री लेंगे बैठक इसके लिए कान्ह नदी सहित शिप्रा की सहायक नदियां साफ की जाएंगी और इनका पानी शुद्ध किया जाएगा। जल संसाधन विभाग के साथ मिलकर नगरीय विकास एवं आवास विभाग इंदौर, उज्जैन, देवास और आलोट का एसटीपी (सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान) बनाएगा। एनएमसीजी (नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा) और अमृत-1 और अमृत-2 के तहत नदियों को निर्मल बनाया जाएगा। इस कार्य के लिए एनएमसीजी का 500 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट इंदौर में स्वीकृत हुआ है। जून, 2027 तक नदियों को निर्मल बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं शिप्रा में पानी भरने का काम जल संसाधन विभाग करेगा। अब इसी प्रोजेक्ट की प्रगति के लिए 20 मई को मुख्यमंत्री बैठक लेंगे। संग्रहित किया जाएगा वर्षा का जल राज्य सरकार की तैयारी है कि सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं को स्नान शिप्रा के पवित्र जल से ही कराया जाए। इसके लिए उज्जैन से 25 किमी दूर सेवरखेड़ी में स्थित जलाशय की क्षमता बढ़ाकर उसमें वर्षा जल का संग्रहण किया जाएगा। बाद में इस जल को क्षिप्रा में छोड़ा जाएगा। सेवरखेड़ी के सिलारखेड़ी जलाशय में मानसून में 55 मिलियन क्यूबिक मीटर वर्षा का जल संग्रहित किया जा सकेगा। इस कार्य के लिए जलाशय की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। लोकसभा चुनाव की मतगणना के बाद इस परियोजना को स्वीकृति दी जाएगी। बता दें कि सिंहस्थ में चार शाही स्नान होते हैं और इसी को ध्यान में रखकर इस तरह का प्रयोग दिग्विजय सिंह की सरकार में भी किया गया था। जिसमें शिप्रा नदी पर चार स्टाप डैम बनाकर पानी का प्रवाह रोका गया था।

युवती को अगवाकर मतांतरण की कोशिश, युवक के खिलाफ केस दर्ज

सिटी चीफ भोपाल
अवधपुरी थाना इलाके में एक युवती को अगवा कर मतांतरण करवाने की कोशिश का मामला सामने आया है। युवती के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपित फरार है।

अवधपरी थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में रहने वाली 20 वर्षीय युवती पहले अन्नानगर में रहती थी। वहां उसकी दोस्ती बादशाह नाम के युवक से हो गई थी। उनके बीच फोन पर बातचीत भी होती थी। 14 मई को युवती अचानक घर से लापता हो गई थी। स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। इस बात का पता चलने पर 16 मई आरोपित, युवती को उसके घर के पास छोड़कर चला गया। पूछताछ में पता चला कि बादशाह उसे लेकर इटारसी गया था। वहां से वह उसे ट्रेन से केरल ले जाने की तैयारी कर रहा था। इस बीच उन्हें पता चला कि मामला थाने पहुंच गया है। इसलिए वापस भोपाल लौट आए। इस मामले में युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी के बैग से मुस्लिम धर्म की कुछ किताबें मिली हैं। संभवतः वह बेटी के मतांतरण की कोशिश कर रहा था।

68 लाख रुपये की ठगी के आरोपित ओडिशा से गिरफ्तार

ड्रग पार्सल भेजने और झूठा केस लगाने का दिखाया था डर

सिटी चीफ भोपाल
क्राइम ब्रांच टीम ने 68 लाख 49 हजार रुपये की ठगी मामले के दो फरार आरोपितों को उड़ीसा से गिरफ्तार किया है। जालसाजों ने पीड़ित की आधार आइडी से ड्रग पार्सल भेजने और मनी लांडरिंग का केस दर्ज कराने डर दिखाकर ठगी की थी। क्राइम ब्रांच भोपाल की सायबर टीम ने उक्त मामले में पांच आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक ठगी के फरार आरोपितों की तलाश में जुटी टीम ने आरोपित रोहित तुरूक को कोरापुट उड़ीसा से 14 मई को और आरोपित द्रुबाडाला सिका को जिला बरगढ़ ओडिशा से गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जों से मोबाइल औश्र सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आवेदक ने शिकायत की थी कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्वयं को फेडेक्स कंपनी का कर्मचारी बताकर उसके नाम से ड्रग का पार्सल मुंबई से ताईबान भेजे जाने के सबंध में बताया ।इसके बाद अन्य अज्ञात आरोपित द्वारा स्काइप पर काल कर स्वयं को क्राइम ब्रांच मुंबई का डीसीपी बताया था। दोनों ने आवेदक के नाम का 200 मिलीग्राम एमडीएमए ड्रग पार्सल पकड़ाने और झूठा प्रकरण बनाने का डर दिखाकर आनलाइन 68 लाख 49 हजार रुपये ठग लिए थे ।पुलिस ने अज्ञात आरोपितों पर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने अब तक सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है।
जिनमें राजेंद्र, लोकेश, अब्दुल कादर, अब्दुल रहमान और नमो नारायण शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपितों द्वारा कूट रचित दस्तावेजों का उपयोग कर बैंक में खाते खुलवाए थे। फर्जी फर्म दिखाई और आरोपितों ने खाता धारक से करंट एकाउंट खरीद कर अन्य ठग को बड़ा कमीशन लेकर ठगी के लिए लगाया था। आरोपितों द्वारा अपराध में प्रयुक्त खातें में तीन महीने में लगभग तीन करोड़ 22 लाख रुपये का लेनदेन हुआ है।

जाहिर सूचना
सर्व साधारण को सुचीत किया जाता है कि हमारे पक्षकार के द्वारा ग्राम मालखेडा प.ह.न. 34 तहसील भीकनगाँव मे स्थित कृषि भुमि छितर पिता राजाराम गुर्जर के नाम से राजस्व प्रपत्रो में दर्ज है जिसका खसरा नम्बर 111/2 रकबा हैक्टेयर 1-508 आरे लगान 4-32 पैसे की सम्पुर्ण सिंचित कृषि भुमि कय करने का सौदा हिमारे पक्षकार ने किया है। जिस किसी संस्था, सोसायटी, बैंकका बकाया हो या किसी व्यक्तिगत कोई आपत्ती हो तो वह सात दिन मे अपनी आपत्ती लिखित मे मुझे पेश करे। अन्यथा बिकी सुदा भुमि पर सात दिनो के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ती मान्य नही होगी और हमारे पक्षकार के द्वारा सात दिन के पश्चात रजिस्ट्री फरोक्तनामा उप पंजियक कार्यालय मे जाकर करवा लिया जायेगा। सो सुचित हो।

स्थान :- भीकनगाँव
अखिलेश कुमार गुप्ता
अधिवक्ता
मोबाईल नम्बर 9926951446
249/1 एम जी रोड भीकनगॉव
जिला खरगोन म.प्र.

साम्पदकीय

सीएम आवास में हिंसा

'आप' एक बड़े खोल में बेहद विस्फोटक पार्टी लगती है। ताजातरीन मामला पार्टी की ही राज्यसभा सांसद तथा 9 साल तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं स्वाति मालीवाल का है, जिनकी मुख्यमंत्री आवास में ही, पिटाई की गई। जाहिर है कि एक महिला के साथ बदसलूकी की गई, हिंसक व्यवहार भी किया गया, लिहाजा यह आपराधिक हरकत से कम नहीं है।

यह मुख्यमंत्री आवास है या मारपीट, गुंडई का कोई अड्डा..! कुछ अंतराल पहले, मुख्यमंत्री आवास में ही, तत्कालीन मुख्य सचिव के साथ हाथापाई की गई थी। खबरें तो मारपीट की भी आई थीं। मामला अदालत तक पहुंचा। अंततः क्या हुआ, कोई जानकारी नहीं। समय गुजरा, तो उस घटना पर धूल की परतें जम गईं। आखिर आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर और मुख्यमंत्री केजरीवाल के जीवन में क्या घट रहा है कि हालात सुलगते महसूस होते हैं। कोई विधायक अपनी पत्नी पर ही कुत्ता छोड़ देता है! कोई मंत्री राशन कार्ड बनवाने आई महिला के साथ बलात्कार करता है! शराब घोटाले में तो खुद केजरीवाल संलिप्त बताए गए हैं। 'आप' एक बड़े खोल में बेहद विस्फोटक पार्टी लगती है। ताजातरीन मामला पार्टी की ही राज्यसभा सांसद तथा 9 साल तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं स्वाति मालीवाल का है, जिनकी मुख्यमंत्री आवास में ही, पिटाई की गई। जाहिर है कि एक महिला के साथ बदसलूकी की गई, हिंसक व्यवहार भी किया गया, लिहाजा यह आपराधिक हरकत से कम नहीं है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 4 घंटे से अधिक समय तक संवाद करने के दौरान स्वाति मालीवाल ने खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री के निजी स्टाफ ने उन्हें 5-6 थप्पड़ मारे। शरीर के निचले हिस्से पर लात मारी, छाती और पेट पर मुक्के मारे गए। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उस दौरान घर के भीतर ही मौजूद थे। यदि मुख्यमंत्री आवास में महिला सांसद पर ऐसा हिंसक आक्रमण किया गया है, तो वह सिर्फ निजी सहायक की औकात नहीं हो सकती। क्या स्वाति पर हमला जानबूझकर कराया गया? क्या मुख्यमंत्री अपने ही सांसद से मुलाकात नहीं करना चाहते थे? क्या केजरीवाल चाहते हैं कि स्वाति सांसदी छोड़ दें, ताकि अभिषेक मनु सिंघवी को सांसदी देकर उपकृत किया जा सके? यदि मुद्दा यही है, तो स्वाति पर हिंसक व्यवहार करने की जरूरत क्या थी? सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय पक्ष यह है कि जिस महिला साथी की मुख्यमंत्री के घर के भीतर तक पहुंच रही है, एनजीओ परिवर्तन के दौर से साथ-साथ काम करते रहे हों और जनवरी, 2024 में ही जिसे राज्यसभा सांसद चुना गया हो, ऐसे साथी पर ऐसा हिंसक आक्रमण करना वाकई हैरान करता है, चौंकाता भी है। स्वाति मालीवाल के बयानों और अढाई पन्नों की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। धाराओं 354, 506, 509 और 323 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्वाति का एम्स दिल्ली में मेडिकल भी कराया है। उधर राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार को तलब किया है। खुद आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इसे विभव कुमार की बदसलूकी करार दिया है। क्या पुलिस विभव को गिरफ्तार करेगी? सवाल यह है कि मुख्यमंत्री आवास में ही ऐसी हिंसक गुंडई क्यों की गई? ऐसी नौबत ही क्यों आई? दरअसल स्वाति मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने उनके सरकारी आवास गई थीं। जेल से बाहर आने के बाद वह मिल नहीं सकी थी। मुख्यमंत्री आवास के गेट पर सुरक्षा व्यवस्था ने उन्हें रोका था, क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात का अधिकृत समय तय नहीं था। फिर भी स्वाति घर के अंदर चली गई और ड्राइंग रूम में जाकर बैठ गई। यह सोमवार 13 मई की बात है। उसके 81 घंटों तक स्वाति खामोश रही। 112 नंबर पर फोन करके उन्होंने हिंसक हमले की जानकारी पुलिस को दी थी, लेकिन उसके बाद सभी पक्ष सोचते ही रहे। मुख्यमंत्री केजरीवाल लखनऊ गए, तो विभव को साथ ले गए। वहां पत्रकारों ने बार-बार सवाल पूछे, तो वह माइक को अखिलेश यादव या संजय सिंह की ओर सरकाते रहे। एक शब्द तक नहीं बोले। पुलिस को शिकायतनामा देने के बाद स्वाति ने एक्स पर लिखा है-मेरे साथ जो हुआ है, वह बहुत बुरा था। मैंने बयान दर्ज करा दिया है। आशा है कि उचित कार्रवाई होगी। भाजपा से भी गुजारिश है कि वह इस मुद्दे पर राजनीति न करे। बहरहाल यह कांड भी केजरीवाल पर भारी पड़ सकता है। अभी वह एक जून तक ही जमानत पर हैं। उसके बाद फिर जेल जाना ही पड़ेगा। यह आम चुनाव का दौर है। उसके दौरान ऐसे हिंसक कांडों से बचा जाना चाहिए था।

केंद्र को सुप्रीम कोर्ट से लगा जोर का झटका

न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफ हो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकते। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है।

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधीनस्थ अदालतों को रैफरी की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाते रहे हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हों और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया, तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोड़ा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं।

ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य कानून के तहत किसी भी शख्स की गिरफ्तारी से पहले अब पुलिस को पहले लिखित में यह बताना जरूरी होगा कि उसकी गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है। इसके लिए लिखित में भी सूचित करना होगा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी साफ कर दिया है कि किसी भी इनसान के लिए कानूनी कार्रवाई एक जैसी होनी चाहिए और उसे किसी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के ऐसे लिखित आधारों की एक कॉपी गिरफ्तार किए गए शख्स को बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। कोर्ट की इस टिप्पणी से यह साफ हो गया कि गिरफ्तार शख्स को हर हाल में जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिखित आधारों की एक कॉपी मिलनी चाहिए, ताकि उसे अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई की पूरी जानकारी हो। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई झिझक नहीं है कि लिखित रूप में गिरफ्तारी के लिए रिमांड कॉपी नहीं दी गई, जिसके चलते गिरफ्तारी अवैध है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने जो कहा, उससे इस बात की रिमांड की कॉपी न मिलने पर गिरफ्तारी को भी अवैध साबित किया जा सकता है। कोर्ट ने मौलिक अधिकार पर अतिक्रमण करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 द्वारा ऐसे मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटना होगा। कोर्ट की इस टिप्पणी से भी साफ हो रहा है कि अगर ऐसा होता है तो उसे इनसान के मौलिक अधिकार का हनन माना जाएगा। फैसला लिखते हुए, न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि पुरकायस्थ की गिरफ्तारी, उसके बाद पिछले साल 4 अक्टूबर का रिमांड आदेश और दिल्ली उच्च न्यायालय का 15 अक्टूबर का रिमांड को वैध करने का आदेश, कानून के विपरीत था और इसलिए इसे रद्द कर दिया गया। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किए गए किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार के बारे में लिखित रूप में सूचित किया जाना मौलिक और वैधानिक अधिकार है। किसी को भी ऐसे ही नहीं उठा सकते। सुप्रीम कोर्ट के इन दोनों आदेशों से स्पष्ट है कि पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां आंख बंद करके कोई कार्रवाई नहीं कर सकेंगी। न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफ हो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकते। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है।

हम कब बंद करेंगे प्लास्टिक का उपयोग?

हाल ही में कनाडा की राजधानी ओटावा में प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतरराष्ट्रीय संधि के लिए गहन मंथन के बाद राष्ट्रों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि के प्रारूप पर सहमति बनी, जो इसी वर्ष के अंत में बुसान में होने वाली बैठक में सहभागियों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। प्लास्टिक प्रदूषण से दुनिया का कोई भी राष्ट्र अछूता नहीं है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र एक बाध्यकारी संधि के लिए पहल की है। प्लास्टिक प्रदूषण से समस्त मानवता और जैविक सभ्यता निरंतर प्रभावित हो रही है। 20वीं सदी की महान उपलब्धि प्लास्टिक धीरे-धीरे संपूर्ण मानव सभ्यता व प्रकृति के लिए एक बड़े संकट के रूप में प्रकट हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में एक ही बार उपयोग में आने वाली प्लास्टिक सामग्री पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन अब भी प्रतिवर्ष 600 अरब डॉलर मूल्य का करीब 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। यह उत्पादन 2050 तक करीब 100 करोड़ टन प्रतिवर्ष से भी बढ़ जाएगा। तथ्य यह है कि जितने प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है, उसके नौ फीसदी की ही रीसाइक्लिंग हो पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार, अधिकांश प्लास्टिक या तो खुले में जलाया जा रहा है या यत्र-तत्र फेंक दिया गया है। दीर्घ आयु होने के नाते इसका निरंतर उपयोग या दुरुपयोग होता रहता है। इन्हीं वजहों से वर्ष 2040 तक सभी प्रकार के प्लास्टिक उत्पादन को 60 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है, अन्यथा यह चक्र कभी रुकने वाला नहीं है। प्लास्टिक के समर्थक तर्क देते हैं कि इससे 3.5 फीसदी ही कार्बन उत्सर्जन होता है, लेकिन प्लास्टिक की पहुंच और भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पश्चिम प्रशांत महासागर में 36,000 फुट की गहराई और माउंट एवरेस्ट की 29,000 फुट ऊंचाई तक प्रचुर मात्रा में प्लास्टिक पाया गया है। यह तो वह प्लास्टिक है, जो हम प्रत्यक्ष रूप में देखते हैं। व्यापक जनजागृति और तमाम प्रयासों के बावजूद हम अपने शरीर में जगह बना चुके प्लास्टिक से बेखबर हैं। हमें इसका जरा भी इल्म नहीं है कि प्लास्टिक के साथ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कई प्रकार के रसायन हमारे शरीर में प्रवेश कर चुके हैं। संभवतः इस पृथ्वी पर अब ऐसा कोई भी स्थान शेष नहीं है, जहां प्लास्टिक न हो। भोजन, पानी, वस्त्र, आदि के जरिये प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। यहां तक कि सौंदर्य प्रसाधन एवं स्वास्थ्य रक्षा हेतु भी प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। बीस वर्ष पूर्व पहली बार छोटे प्लास्टिक यानी 2-5 मिलीमीटर आकार वाले प्लास्टिक के कणों की खोज हुई, जो प्लास्टिक के बड़े टुकड़ों के टूटने से बने थे। फिर नैनो प्लास्टिक का पता चला, जो अत्यंत ही सूक्ष्म आकार के होते हैं। नैनो प्लास्टिक अपने सूक्ष्म आकार के कारण सामान्य दृष्टि से ओझल रहते हैं और विभिन्न माध्यमों से हमारे शरीर में पहुंचकर ऊतकों में जमा हो जाते हैं तथा दूरगामी असर पैदा करते हैं। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि बढ़ते कैंसर, दिमागी रक्तस्राव जैसी गंभीर अवस्थाओं के लिए प्लास्टिक भी बहुत बड़ा कारक है। प्लास्टिक मुक्त वातावरण की संकल्पना के लिए सबसे बड़ा अवरोध है इसका सार्थक विकल्प न होना।

नेहरू और सरदार पटेल की जुगलबंदी, आजाद भारत की राजनीति और शासन को दिया आकार

हम भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि की 60वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। यहां मैं नेहरू जी के राजनीतिक जीवन के एक प्रमुख पहलू, सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ उनके रिश्तों पर बात करना चाहता हूं। इन दोनों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। दोनों के बीच वैसी ही असहमति थी, जैसे कि एक साथ काम करने वाले दो व्यक्तियों के बीच अक्सर होती है। दोनों के बीच असहमति के बावजूद पूरी तरह एक साझेदारी नजर आती है, जिसमें दोनों की अलग-अलग ताकत एक साथ मिलकर उस धरती की सेवा में लग जाती है, जिससे वे दोनों प्यार करते थे। इस आपसदारी को नरेंद्र मोदी और उनके सहयोगी दलों द्वारा पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया, जो नेहरू को नीचा दिखाने और पटेल को ऊपर उठाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। जब अंग्रेज हम पर शासन कर रहे थे, नेहरू और पटेल ने भारतीय समाज के ज्यादातर वर्गों को मिलाकर कांग्रेस के रूप में एक जनसंगठन बनाया था। दोनों ने कई साल जेल में बिताए। यही नहीं, स्वतंत्र भारत की कैबिनेट में दोनों ने साथ-साथ काम किया। नेहरू ने इस बात का ख्याल रखते हुए कि महिलाओं को धार्मिक और भाषाओं के आधार पर पिछड़े या अल्पसंख्यकों को समान अधिकार मिलें, भारत के भावनात्मक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित दिया। उन्होंने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर आधारित बहुदलीय लोकतंत्र की जोरदार वकालत की। पटेल ने क्षेत्रीय एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया और रियासतों को एक साथ लाए। उन्होंने सिविल सेवाओं में सुधार और संविधान पर आम सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा सार्वजनिक और निजी जीवन में भी दोनों का एक-दूसरे के प्रति गहरा सम्मान था। सितंबर 1948 में पटेल ने अपने युवा सहकर्मी को पत्र लिखकर कहा कि आपके मन में मेरे और जवाहरलाल के अलग होने के बारे में जो गलत धारणा है, उसे आप दूर कर लें। इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। हां, हम दोनों के बीच विचारों को लेकर मतभेद हो सकते हैं, जैसा कि सभी ईमानदार लोगों में होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम दोनों के बीच आपसी सम्मान, प्रशंसा या फिर विश्वास को लेकर कोई दूरी है। एक साल बाद नेहरू को उनके 60वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए पटेल ने लिखा कि हम एक-दूसरे को इतनी घनिष्ठता से जानते हैं कि यह स्वाभाविक है कि हम एक-दूसरे के स्नेही हो गए हैं। लोगों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल है कि हम दोनों एक-दूसरे की कितनी कमी महसूस करते हैं, जब हम दूर होते हैं या फिर किसी समस्या को सुलझाने में मदद नहीं ले पाते हैं। यह प्रशंसा का प्रतिदान ही था कि अगस्त 1947 में नेहरू ने पटेल को पत्र लिखकर उन्हें 'कैबिनेट का सबसे मजबूत स्तंभ' बताया। इसके तीन साल बाद जब पटेल का देहांत हुआ तो नेहरू ने अपने दिवंगत दोस्त और सहकर्मी को स्वतंत्रता संग्राम का सबसे महान कप्तान और एक ऐसा व्यक्ति बताया, जिसने मुसीबतों के साथ-साथ जीत के क्षणों में भी उन्हें अच्छी सलाह दी। नेहरू ने कहा कि उन्होंने जिस तरह पुरानी भारतीय रियासतों की समस्या को संभाला, उससे उनकी बुद्धिमत्ता का पता चलता है। उन्होंने अपना लक्ष्य एकीकृत और मजबूत भारत का रखा। नेहरू ने अपनी श्रद्धांजलि यह कहते हुए खत्म की थी कि देश के लोगों को पटेल के कार्य समर्पण, उनकी दृढ़ता, अनुशासन की भावना का सम्मान करना चाहिए और उस स्वतंत्र, मजबूत एवं समृद्ध भारत की भावना को महसूस करना चाहिए, जिसके लिए उन्होंने मेहनत की। ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि नेहरू और पटेल आजादी से पहले और बाद में सहयोगी और सहकर्मी रहे, तो जनता के बीच उन्हें एक-दूसरे के विरोधी के तौर पर क्यों दिखाया जाता है? सही मायनों में यहां पर नेहरू के परिवार की गलती थी। जनवरी 1966 में नेहरू के उत्तराधिकारी के रूप में प्रधानमंत्री बने लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु मात्र इकसठ साल की आयु में हो गई। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने शास्त्री के उत्तराधिकारी के रूप में इंदिरा गांधी को यह सोचकर चुना कि वे उन्हें अपने हिसाब से नियंत्रित कर सकते हैं। लेकिन इंदिरा गांधी ने पार्टी पर अपना अधिकार जता दिया। उन्होंने प्रिवी पर्स को हटाने तथा बांग्लादेश की लड़ाई में नेतृत्व क्षमता को दिखाया और पार्टी पर पूरी तरह नियंत्रण कर उसे एक पारिवारिक पार्टी बनाने की ठान ली। श्रीमती गांधी राष्ट्र के निर्माण में वल्लभभाई पटेल के योगदान से अनभिज्ञ नहीं थीं, फिर भी उन्होंने अपने पिता के नाम को ऊपर उठाने की पूरी कोशिश की। इसके लिए उन्होंने एक विश्वविद्यालय का नाम भी नेहरू के नाम पर रखा। जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, उस समय पटेल और अन्य नेताओं के बजाय नेहरू का महिमामंडन ज्यादा किया गया और 1989 में नेहरू के जन्म शताब्दी समारोह के लिए राज्यों द्वारा प्रायोजित तमाशे किए गए। उसी समय राजीव गांधी ने मां इंदिरा को अपने नाना के बराबर जगह देने के लिए राजधानी के हवाई अड्डे का नाम उनके नाम पर रखा। सोनिया गांधी ने 1998 में कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद इस प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया। पार्टी के इतिहास के बारे में जितनी उनकी समझ थी, उसके अनुसार वल्लभभाई पटेल और कांग्रेस के अन्य बड़े नेताओं- आजाद, कामराज, सरोजनी नायडू आदि के लिए उसमें कोई जगह नहीं थी। 2004 से लेकर 2014 के बीच कई बड़े प्रोजेक्ट्स के नाम राजीव गांधी के नाम पर रखे गए। उनके जन्म और मृत्यु की वर्षगांठ मनाने पर भी सार्वजनिक धन का एक बड़ा हिस्सा खर्च किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में नरेंद्र मोदी को यह सिखाया गया होगा कि उनके यहां के.एस. हेडगेवार और एम.एस. गोलवलकर कितने पूजनीय हैं। भाजपा में मोदी से श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय की प्रशंसा करने के लिए भी कहा गया होगा। शायद इसीलिए पटेल की प्रशंसा उन्होंने देर से शुरू की, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2012 के आसपास जब उन्होंने प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जाहिर कर दी, तब सार्वजनिक तौर पर पटेल की बातों को उठाना और तेज कर दिया। मोदी की देखा-देखी भाजपा ने भी पटेल की प्रशंसा शुरू कर दी। जैसा कि लेखक और जनसेवक गोपाल कृष्ण गांधी कहते हैं कि नेहरू के बाद की कांग्रेस ने पटेल को अस्वीकार कर दिया था, वहीं भाजपा ने उन्हें गलत तरीके से भुनाना शुरू कर दिया। हालांकि यह मोदी और भाजपा के लिए नेहरू को नापसंद करने का कारण हो सकता है, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि पूरी जिंदगी कांग्रेसी रहने वाला भाजपा की संपत्ति कैसे बन गया। मोदी और भाजपा ने जिस तरह नेहरू के सहयोगी पटेल का इस्तेमाल पहले प्रधानमंत्री की छवि को मिटाने के लिए किया, उससे आज अगर वल्लभभाई पटेल होते तो चकित रह जाते। जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल की जोड़ी ने आजाद भारत की राजनीति और शासन को आकार दिया था। बाद में इंदिरा गांधी और पी.एन. हक्सर, अटल बिहारी वाजपेयी और एल.के. आडवाणी, मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी तथा वर्तमान में नरेंद्र मोदी और अमित शाह का नाम लिया जा सकता है। लेकिन आधुनिक इतिहास में जो भी राजनीतिक साझेदारियां बनी हैं, उनमें नेहरू और पटेल की साझेदारी सबसे श्रेष्ठ और आवश्यक थी।

कार्तिक आर्यन के चंदू चैंपियनके ट्रेलर की मुरीद हुईं कैटरीना, बोलीं- इंतजार नहीं कर सकती

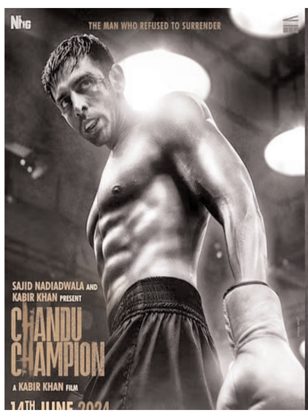

कबीर खान निर्देशित फिल्म 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर 18 मई को लॉन्च कर दिया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन फिल्म के मुख्य अभिनेता कार्तिक आर्यन के गृहनगर ग्वालियर में किया गया। एक तरफ, जहां दर्शक अभिनेता से आश्चर्यचकित थे। वहीं बी-टाउन दिवा कैटरीना कैफ भी इससे काफी प्रभावित हुई हैं। उन्होंने निर्देशक की प्रशंसा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और बड़े पर्दे पर फिल्म देखने के लिए उत्साह व्यक्त किया है। कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन का ट्रेलर देखने वाले लोगों में बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ भी शामिल थीं । वह इस ट्रेलर से इतनी प्रभावित हुईं कि बिना किसी देरी के उन्होंने निर्देशक कबीर खान के लिए एक सराहना पोस्ट कर कर दिया। इसके अलावा अभिनेत्री ने कार्तिक आर्यन के अभिनय और परफॉर्मेंस की भी जमकर तारीफ की है। कटरीना कैफ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का ट्रेलर दोबारा पोस्ट किया। उन्होंने इस पर कमेंट करते हुए लिखा, सुपर लुकिंग कबीर खान.. इंतजार नहीं कर सकती। बता दें कि कार्तिक आर्यन ने भी अपने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी स्पोर्ट्स फिल्म का ट्रेलर पोस्ट किया। कैप्शन में उन्होंने इसे अपने करियर की सबसे कठिन और सबसे खास फिल्मबताया। उन्होंने लिखा था, बेहद गर्व और खुशी के साथ, अपने करियर की सबसे कठिन और सबसे खास फिल्म का ट्रेलर साझा कर रहा हूं, वह भी मेरे गृहनगर ग्वालियर से जहां मैंने एक अभिनेता सचंदू चैंपियन बनने का सपना देखा था, एक ऐसे व्यक्ति की कहानी जिसने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। आशा है कि यह आपके दिल को छूएगा, मनोरंजन करेगा और आपको भारत के गौरव श्री मुरलीकांत पेटकर की तरह अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा सचंदूचैंपियन 14 जून, 2024। 'चंदू चैंपियन' फिल्म की कहानी मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है। मुरलीकांत पेटकर भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्विमिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। मुरलीकांत पेटकर को पद्म श्री भी मिल चुका है।

कश्मीर में एक्शन सीन्स शूट करते दिखे अजय देवगन-जैकी श्रॉफ, सिंघम अगेन के सेट से वीडियो वायरल

सिंघम अगेन की शूटिंग तेजी से चल रही हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं अब फिल्म की शूटिंग को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं, जिसने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग जम्मू कश्मीर में शुरू कर दी है। वे जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के अंदरूनी इलाकों में शूटिंग कर रहे हैं। इस बात की जानकारी अधिकारियों द्वारा दी गई है। सोशल मीडिया पर भी अजय देवगन की शूटिंग के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि रोहित शेट्टी और उनकी टीम हाल ही में फिल्म की शूटिंग के लिए घाटी पहुंची है। यह फिल्म के अंतिम चरण की शूटिंग चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि फिल्म की शूटिंग शहर के अंदरूनी इलाकों कुछ खास या डाउनटाउन इलाके में कड़ी सुरक्षा के बीच हुई। इस दौरान अजय देवगन और अभिनेता जैकी श्रॉफ ने शूटिंग की। शहर में अजय देवगन को उनके सह-कलाकार जैकी श्रॉफ के साथ फाइट सीक्वेंस की शूटिंग करते हुए देखा गया। सेट से कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें अजय देवगन पुलिस की वर्दी पहने नजर आए। फिल्म के लिए टीम ने घाटी के विभिन्न स्थानों की रेकी की है। रोहित शेट्टी ने शुक्रवार को यहां राजभवन में जम्मू-कश्मीर के उपरायपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की थी। सिंघम अगेन रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का पांचवां भाग है, जिसमें रणवीर सिंह की 2018 में आई सिम्बा और अक्षय कुमार अभिनीत 2021 में आई सूर्यवंशी भी शामिल हैं। सिंघम अगेन अजय देवगन की मुख्य भूमिका वाली सिंघम सीरीज की तीसरी फिल्म है, जो 2011 की सिंघम से शुरू हुई थी। फिर 2014 में अजय देवगन सिंघम रिटर्न्स के साथ लौटे। वहीं, अब वे सिंघम अगेन से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। फिल्म में शानदार कलाकारों की पूरी फौज शामिल हैं। कलाकारों में रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, दीपिका पादुकोण और श्वेता तिवारी के साथ-साथ अर्जुन कपूर भी शामिल हैं। अर्जुन फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। सिंघम अगेन इस साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

गिरीश कर्नाड का नाटककार बनने का नहीं था कोई इरादा, ययाति लिखने के विचार ने बदल दी जिंदगी

गिरीश कर्नाड की आज बर्थ एनिवर्सरी है। वे साहित्यकार, नाटककार, अभिनेता, फिल्म निर्देशक और प्ले राइटर थे। वह उन कुछ चुनिंदा लोगों में से थे, जिन्होंने साहित्य के साथ अभिनय और निर्देशन की दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उनके नाटकों को खूब वाहवाही मिली। उनके नाटकों की लोकप्रियता इतनी रही कि उनका अनुवाद कई भारतीय भाषाओं में किया गया। पर्दे पर जब वे बतौर अभिनेता आए तो दर्शक उनकी अभिनय प्रतिभा के कायल हो गए। आइए जानते हैं उनके बारे में..

कई भाषाओं में हुआ नाटकों का अनुवाद

गिरीश कर्नाड का जन्म 19 मई 1938 को महाराष्ट्र के माथेरान में हुआ। कर्नाड ने करीब चार दशकों तक प्ले लिखे। उन्होंने इतिहास औ पौराणिक कथाओं का इस्तेमाल करते हुए समकालीन मुद्दों पर नाटकों की रचना की। उन्होंने अपने प्ले का अंग्रेजी अनुवाद किया। उनके नाटकों का अनुवाद कई भारतीय भाषाओं में भी हुआ। उनके नाटक इब्राहिम अलकाजी, बी वी कारंत, एलिक पदमसी, अरविंद गौर, सत्यदेव दुबे, विजया मेहता, श्यामानंद जालान और अमल अल्लाना जैसे निर्देशकों द्वारा निर्देशित किए गए। दिलचस्प बात यह है कि उनका नाटक लिखने का इरादा ही नहीं था।

कवि बनने का देखा था सपना

गिरीश कर्नाड की शुरुआती पढ़ाई मराठी में हुई। उन्होंने कर्नाटक आर्ट्स कॉलेज से स्नातक किया। वे कहते थे, मैं कवि बनना चाहता था, लेकिन मेरी थिएटर में भी रुचि थी, मेरा नाटक लेखक बनने का कोई इरादा नहीं था। स्कॉलरशिप मिलने के बाद मैं लंदन पहुंचा। उस समय एक धारणा थी कि यदि मैं विदेश जाऊंगा, तो मैं विदेश की किसी गोरी मेम से शादी कर लूंगा। तभी एक दिन मेरे मन में ययाति लिखने का विचार आया। इसके बाद जिंदगी में कई मोड़ आए। उनके लिखे नाटकों में ययाति, तुगलक, हयवदन, अंजु मल्लिगे, अग्निमतु माले, नागमंडल और अग्नि और बरखा काफी प्रसिद्ध रहे हैं।

सलमान खान के साथ कीं ये फिल्में

गिरीश कर्नाड ने कन्नड़, तमिल, तेलुगू, मलयालम के अलावा हिंदी और मराठी सिनेमा में भी अभिनय किया। गिरीश कर्नाड ने हिंदी फिल्मों में भी अपना हाथ अजमाया और इसमें भी सफलता पाई। 48 साल के अपने फिल्मी करियर में गिरीश कर्नाड ने 90 से यादा फिल्मों में काम किया। हिंदी में उन्होंने निशांत, मंथन और पुकार जैसी फिल्में कीं। इसके अलावा सलमान खान के साथ वे एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है में भी दिखाई दिए थे, यही उनकी आखिरी हिंदी फिल्म भी थी। उनकी आखिरी फिल्म कन्नड़ भाषा में बनी अपना देश थी।

सामाजिक आंदोलनों में रही सक्रिय भूमिका

गिरीश कर्नाड की लेखनी में जितना दम था, उन्होंने उतने ही बेबाक अंदाज में अपनी आवाज को बुलंदी दी। उनकी तमाम राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों में सक्रिय भूमिका रही। गिरीश कर्नाड को अपनी प्रतिभा के लिए कई बड़े सम्मान मिले। 1970 में उन्हें रायोत्सव अवॉर्ड से नवाजा गया। 1972 में संगीत नाटक अकादमी दिया गया। 1974 में पद्मश्री मिला। 1992 में पद्मभूषण दिया गया। 1992 में उन्हें साहित्य परिषद अवॉर्ड से नवाजा गया था। वहीं 1994 में साहित्य अकादमी अवॉर्ड दिया गया। 1998 में उन्हें ज्ञानपीठ अवॉर्ड मिला और इसी साल उन्हें कालीदास सम्मान भी दिया गया। इसके अलावा 2011 में उन्हें दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स द्वारा मानद उपाधि दी गई।

शब्द सम्मान से नवाजा गया

गिरीश कर्नाड को की ओर से आकाशदीप सम्मान दिया जा चुका है। भारतीय भाषाओं के सामूहिक स्वप्न के सम्मान में फाउंडेशन द्वारा लेखन-जीवन के समग्र अवदान के लिए सर्वोच शब्द सम्मान आकाशदीप दिया जाता है। यह सम्मान उन्हें साल 2018 में दिया गया था। साल 2019 में 10 जून को प्रतिभावान गिरीश कर्नाड ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

क्या टूट जाएगी बेनिफर की जोड़ी

तलाक के अफवाहों के बीच पहली बार बिना वेडिंग रिंग के दिखे बेन

हॉलीवुड स्टार बेन एफ्लेक इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि बेन एफ्लेक और उनकी सुपर स्टार सिंगर पत्नी जेनिफर लोपेज के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों पिछले एक महीने से अलग घरों में रह रहे हैं। वहीं हाल में बेन एफ्लेक ने कुछ ऐसा किया है जिससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि बेन और जेन के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। आइए आपको बताते हैं आखिर बेन एफ्लेक ने ऐसा क्या किया है बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज की जोड़ी हॉलीवुड के मशहूर जोड़ियों में से एक हैं। दोनों की जोड़ी को हॉलीवुड में पॉवर कपल के रूप में लोग जानते हैं। बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज के फैंस दोनों को प्यार से बेनिफर बुलाते हैं। दोनों की केमिस्ट्री के लाखों लोग दीवाने हैं। वहीं पिछले कुछ दिनों से अफवाहों का बाजार गर्म है कि बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। दोनों के बीच में अलगाव हो गया है। वे एक महीने से अलग-अलग घरों में रह रहे हैं। ऐसे में पिछले दिनों बेन एफ्लेक पहली बार बिना शादी के अंगूठी के स्पॉट किए गए हैं। सोशल मीडिया बेन एफ्लेक की बिना अंगूठी वाली तस्वीरें वायरल हो रही हैं। कई फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज की शादी टूटने वाली है। हालांकि अभी तक बेन एफ्लेक या जेनिफर लोपेज की तरफ से इस विषय में कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। गॉन गर्ल स्टार बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज अक्सर साथ में स्पॉट किए जाते रहे हैं। पिछले शुक्रवार को इन सभी अफवाहों के बीच बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज एक साथ एक कार्यक्रम में साथ नजर आए थे। वहीं अब फैंस बेन एफ्लेक को बिना वेडिंग रिंग के देखकर परेशान हो रहे हैं कि आखिर चौबीस घंटे में ऐसा क्या हो गया जिसकी वजह से बेन एफ्लेक ने यह कदम उठाया है।

कान में जलवा बिखेर रही हैं कियारा, रेड सी फिल्म फाउंडेशन के गाला डिनर में बार्बी बन पहुंचीं

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा कियारा आडवाणी इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में अपना जलवा बिखेर रही हैं। सोशल मीडिया पर कियारा की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। आज अभिनेत्री रेड सी फिल्म फाउंडेशन के के गाला डिनर में शामिल हुईं। आइए आपको उनके लुक्स के बारे में बताते हैं --कान 2024 में पहली बार कियारा आडवाणी भाग ले रही हैं। कियारा कान फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बन काफी खुश नजर आ रही हैं। वहीं आज अभिनेत्री वीमेन इन सिनेमा के गाला डिनर में शामिल हुईं। इस दौरान वे गुलाबी रंग के गाउन में नजर आईं। पैपराजी से बातें करते हुए कियारा आडवाणी ने कहा, यह मेरे लिए बेहद खास क्षण है। इस साल बॉलीवुड में मेरे करियर के दस साल पूरे होने जा रहे हैं और इसी साल मैं पहली बार कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई हूं। यह मेरे लिए गर्व की बात है रेड सी फिल्म फाउंडेशन इवेंट के दौरान कियारा आडवाणी ने ऑफ-शोल्डर पिंक और ब्लैक गाउन में नजर आईं। यह गाउन सिल्क से बना हुआ है। उनके गाउन के पीछे के बड़ा सा बो बना हुआ था। अपने लुक को पूरा करने के लिए कियारा ने बालों का हाई बन बनाया हुआ था। कियारा आडवाणी को सिनेमा में उनकी भागदारी के लिए रेड सी फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान सिनेमा में उनके योगदान के लिए दिया गया है। कियारा इस सम्मान को पाकर काफी खुश नजर आईं।

साउथ इंडस्ट्री में नहीं है बॉलीवुड अभिनेताओं की इजत? अरबाज खान के इस बयान ने मचाई हलचल

अभिनेता अरबाज खान बॉलीवुड में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। अरबाज पटकथा लेखक सलीम खान के बेटे और सुपर स्टार सलमान खान के भाई हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अरबाज ने साउथ इंडस्ट्री में बॉलीवुड कलाकारों की छवि के बारे में बताया है। इसके साथ ही अभिनेता ने खुलासा किया है कि साउथ के लोग बॉलीवुड वालों को किस नजर से देखते हैं।

बॉलीवुड के कलाकारों का साउथ सिनेमा की तरफ रुझान बढ़ता ही दिख रहा है। बी-टाउन के अभिनेता अक्सर साउथ फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाते ही नजर आते है। अरबाज भी अपनी आगामी साउथ फिल्म में विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं। अब अभिनेता ने बताया है कि साउथ में बॉलीवुड अभिनेता ग्रे शेड रोल में ही क्यों नजर आते हैं। साउथ सिनेमा में बॉलीवुड कलाकारों को नेगेटिव भूमिकाओं में कास्ट करने को लेकर अभिनेता अरबाज ने कहा, 'मैं यादा नहीं बोल सकता पर मुझे लगता है कि जो उत्तर भारत से कलाकार होते हैं, जो मैंने अभी तक देखा है वह अक्सर कैरेक्टर आर्टिस्ट या नेगेटिव रोल में यादा दिखाई देते हैं मुझे नहीं पता कि क्या उन्होंने वहां पर कभी उत्तर भारत के कलाकार के साथ बड़ी फिल्में की हैं।अभिनेता ने आगे कहा, हमने अब तक जितनी भी फिल्में देखी हैं, जिनमें बॉलीवुड कलाकारों ने दक्षिण भारतीय सिनेमा के कलाकार वेंकटेश, कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, नागार्जुन के साथ काम किया है, लेकिन वह कभी मुख्य भूमिका में दिखाई नहीं देते हैं। हमारी अभिनेत्रियों को वहां लीड रोल में कास्ट किया जाता है। उनकी अभिनेत्रियां भी यहां मुख्य भूमिका में कास्ट होती हैं, लेकिन अभिनेताओं के लिए मंजर एकदम अलग है।वर्कफ्रंट की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अरबाज इसी साल दबंग 4 का भी निर्माण करने जा रहे हैं। इस फिल्म में वे सलमान खान के साथ काम करने वाले हैं।

20 करोड़ क्लब में हुई हॉलीवुड के लंगूरों की एंट्री, नौवें दिन श्रीकांत की कमाई में उछाल

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत और किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। दोनों ही फिल्मों को वीकएंड का हल्का फायदा मिला है। रिलीज के बाद से श्रीकांत बॉक्स ऑफिस पर धीमी कमाई कर रही थी और ऐसा माना जा रहा था कि यह फिल्म राजकुमार राव की एक और फ्लॉप लिस्ट में जुड़ने वाली है। हालांकि, अभी भी हिट के लिए श्रीकांत तो लंबी राह तय करनी है। वहीं, बात करें किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स की तो फिल्म दर्शकों पर अपना जादू बिखेर रही है। तो आइए जानते हैं कि शनिवार को इन फिल्मों का प्रदर्शन कैसा रहा...

अभिनेता राजकुमार राव एक बार फिर अपनी फिल्म श्रीकांत को लेकर दर्शकों के सामने पेश हुए हैं। अभिनेता के फैंस को उनकी इस फिल्म से काफी उम्मीदें थी। हालांकि, फिल्म की कमाई प्रशंसकों को निराश कर रही है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की हालत को देखकर ऐसा लगता है कि यह फिल्म एक और फ्लॉप की लिस्ट में शामिल होने वाली है।

वीकएंड यानी शनिवार को फिल्म की कमाई में हल्का उछाल देखने को मिला है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने नौवे दिन दो करोड़ 30 लाख का बिजनेस किया है, इसी के साथ ही फिल्म कुल कलेक्शन 21.65 करोड़ रुपये हो गया है।

हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स भी सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म को भारत में डिनी इंडिया ने रिलीज किया है। फिल्म की रिलीज के बाद से राजकुमार राव की श्रीकांत बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम होती दिख रही है।

बता दें कि किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स 20 करोड़ क्लब में एंट्री क्लब में पहुंच चुकी है। ताजा आंकड़ो के मुताबिक आठवें दिन फिल्म ने 98 लाख रुपये की कमाई की है, फिल्म का कुल कलेक्शन अब 20.71 करोड़ रुपये हो गया है।

कटनी में सभी थाने के थाना प्रभारियों ने चलाया जनसंवाद अभियान

सायबर अपराधों के मामलों में जनता में फैलाई जागरूकता

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले की सभी थाने के थाना प्रभारियों द्वारा आपने अपने थाना क्षेत्र में जनसंवाद अभियान चला सायबर अपराधों के मामलों में जनता को जागरुक रहने की जानकारी दे रही है। जनसंवाद अभियान के तहत कटनी कोतवाली थाना प्रभारी बस स्टैड पुलिस चौकी की प्रभारी के साथ कैलवारा फटक इलाके में रहने वाले लोगो से जनसंवाद कर सायबर अपराधों के मामलों की जानकारी देते हुए इससे कैसे बचा जाए यह बताया।

कोतवाली थाना क्षेत्र कैलवारा फाटक क्षेत्र में टीआई आशीष शर्मा ने जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को साइबर अपराध के शिकार होने से बचने के लिए जरूरी जानकारी दी है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को नाबालिग बच्चियों के लापता होने, सड़क हादसों के मामले में जागरुक रहकर सहयोग करने की बात भी कही है। अपराधों प्रति जागरुक करने के लिए पुलिस टीम लगातार थाना क्षेत्रों में मोहल्लों में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन जानकारी दे रही है। कोतवाली थाना थाना प्रभारी आशीष शर्मा बताया कि जिले में नाबालिग बच्चियों के लापता होने, साइबर अपराध का शिकार होने, सड़क हादसों में मौत और घायल होने की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए जनसंवाद कार्यक्रम किए जा रहे हैं।कार्यक्रम के दौरान अपराधों से कैसे बचा जा सकता है, कैसे पीड़ित व्यक्ति की मदद की जा सकती है इन सभी बिंदुओं पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने बताया कि जनसंवाद कार्यक्रम का उद्देश्य सायबर अपराधों के मामलों में जनता को जागरुक करना है और साइबर अपराध का शिकार होने के संबंध में जनता को जागरुक करना। सड़क हादसों में मौत, घायल होने की घटनाओं के संबंध में जनता को जागरुक करना। नशा मुक्ति के संबंध में जनता को जागरुक करना है। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान जनता की समस्याओं का भी निराकरण भी किया गया है।

काटे के संघर्ष में नरेश कुमार ने अपने प्रतिद्वंदी अधिवक्ता जितेंद्र पुंडीर को 19 और मो. मुरसलीन ने शाह फैसल को सात मतो से किया पराजित

सिविल बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अधिवक्ता नरेश कुमार अध्यक्ष और मो. मुरसलीन एड. महासचिव निर्वाचित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, सिविल बार एसोसिएशन के हुए वार्षिक चुनाव में अधिवक्ता नरेश कुमार अध्यक्ष और मो. मुरसलीन एड. महासचिव पद पर निर्वाचित घोषित किए गए हैं। कांटे के संघर्ष में नरेश कुमार ने अपने प्रतिद्वंदी अधिवक्ता जितेंद्र पुंडीर को 19 और मो. मुरसलीन ने शाह फैसल को सात मतो से पराजित किया। देवबन्द कचहरी परिसर स्थित बार रुम में वर्ष 2024-25 की कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। अधिवक्ता प्रमोद कुमार को मुख्य चुनाव अधिकारी और अनुपम वशिष्ठ व सुनील कुमार रोड को सह चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था। चुनाव अधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि 245 अधिवक्ताओं में से 242 अधिवक्ताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। तीन अधिवक्ता बाहर गए होने के कारण मतदान में भाग नहीं ले सके। उन्होंने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी में अधिवक्ता नरेश कुमार 131 मत प्राप्त कर अध्यक्ष, मो. मुरसलीन

(125 मत) महामंत्री, बाल किशोर त्यागी (148 मत) वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आदित्य कुमार (158 मत) कनिष्ठ उपाध्यक्ष, सुशील कुमार (133 मत) कोषाध्यक्ष, अमित सिंघल (151) सह सचिव प्रशासन, मोनिका रानी (156 मत) सह सचिव पुस्तकालय, प्रदीप कुमार शर्मा (131 मत) सह सचिव प्रकाशन निर्वाचित हुए हैं। बताया कि सदस्य गवर्निंग कौंसिल (15 साल से अधिक) में अशोक कुमार व राजेंद्र सिंह तथा सदस्य गवर्निंग कौंसिल (15 साल से कम) में बिजेंद्र कुमार और करमजीत एडवोकेट ने चुनाव जीत का परचम लहराया। परिणाम घोषित होने के बाद अधिवक्ताओं ने विजयी घोषित पदाधिकारियों को बधाई दी। इस दौरान धर्मपाल त्यागी एडवोकेट, अनुपम वशिष्ठ एडवोकेट, प्रमोद गुप्ता एडवोकेट, देवीदयाल शर्मा एडवोकेट, नीरज त्यागी एडवोकेट, शम्भू सिंह एडवोकेट, अजय गुप्ता एडवोकेट, कमर जमाल एडवोकेट, नरेश त्यागी एडवोकेट, दिलशाद अली खान एडवोकेट, रजनीश गौतम एडवोकेट, संदीप गुप्ता एडवोकेट, मनोज सिंघल एडवोकेट, रजत शर्मा, शिवनंदन एडवोकेट, प्रभात त्यागी एडवोकेट, देश दीपक त्यागी एडवोकेट, नरेश कुमार एडवोकेट, अरूण सिंघल एडवोकेट, प्रदीप शर्मा एडवोकेट, राजेश कुमार भायला एडवोकेट, कुशलपाल सिंह एडवोकेट, बृज कौशिक एडवोकेट, मौ.आबिद, सुरेन्द्र त्यागी, सतेन्द्र त्यागी, दुष्यंत त्यागी रमेश चंद मौर्य, मदनलाल, संदीप कुमार, अश्वनी सिंघल एडवोकेट, ताजीम एडवोकेट, सलमान एडवोकेट, अमित एडवोकेट, बिजन सिंह, शादाब एडवोकेट, ललित शर्मा एडवोकेट, आशीष शर्मा एडवोकेट, लोकेश वत्स एडवोकेट, रितेश बंसल एडवोकेट, शमशाद मलिक, राम प्रताप सिंह, रिजवान कासमी, जमील अहमद, संदीप शर्मा, रविन्द्र, गफ्फार आब्दी, अजय गौतम, उमर दराज, बच्चन सिंह और नसीम अंसारी आदि काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

दिन के समय चलने वाली लू ने लोगों को घरों में कैद करने को मजबूर कर दिया है

भीषण गर्मी और लू के थपेडों ने झुलसाया, 40 डिग्री पार पहुंच पारा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद । सहारनपुर, भीषण गर्मी और लू के थपेडों से यहां का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। गर्मी ने प्रचंड रूप धारण किया हुआ है। हाल यह बना हुआ है कि न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कम अंतर रहने के चलते ना तो दिन में चैन मिल पा रहा है और नहीं रात में कोई राहत मिल पा रही है। दिन में शुष्क गर्मी के चलते मौसम के तेवर सुर्ख लाल है। गर्मी का असर यह रहा है कि आज जिले का तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस पर जाकर रुका।ॉ

जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में आमजन को गर्मी के कोप से कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। पिछले कई दिनों से गर्मी अपने पूरे शबाब पर है। दिन के समय चलने वाली लू ने लोगों को घरों में कैद करने को मजबूर कर दिया है। सुबह 10:00 बजे के बाद ही सड़कों पर निकलने वाले लोगों की संख्या दिन चढ़ने के साथ काम होती जा रही है। दोपहर दो-तीन बजे के समय तो महानगर की सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देता हैं। सड़क पर सिर्फ जरूरी काम से निकले लोग ही दिखाई देते हैं। सूरज ढलने तक सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम ही रहती है। काम से निकले लोग भी धूप से बचने के लिए या तो छतरी से बचाव करते है या फिर सड़क किनारे लगे ठडे पेय पदार्थो का सहारा लेते है।

सि्प्रंग डेल पब्लिक स्कूल में एसडीएम देवबंद ने 10 वीं और 12 वीं कक्षा के छात्रों को सम्मानित करते हुए फ़ैज़ान उलहक मेमोरियल स्कालरशिप के सर्टिफिकेट बांटे

परिश्रम ही सफलता की कुंजी है : एसडीएम अंकुर वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल में एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा ने 10 वीं और 12 वीं कक्षा के छात्रों को सम्मानित करते हुए फ़ैज़ान उलहक मेमोरियल स्कालरशिप के सर्टिफिकेट बांटे। स्कूल के चेयरमेन साद फ़ैज़ान सिद्दीकी ने बताया कि आज स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा ने किया। एसडीएम अंकुर वर्मा ने 2023-2024 के 10 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। एसडीएम अंकुर वर्मा ने सुब्जेक्ट टॉपर को भी सम्मानित किया। उन्होंने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता से छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा,हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा। इस अवसर पर चेयरमेन साद फ़ैज़ान सिद्दीकी

एवं को-चेयरमेन अहमद फ़ैज़ान सिद्दीकी ने स्कूल की ओर से फैजान उल हक मेमोरियल स्कॉलरशिप पुरस्कार से विद्यार्थियों को सम्मानित किया और कहा कि ये छात्रवृत्ति पिछले 10 वर्षो से उन बच्चों को दी जा रही है जिन्होंने पढ़ाई में स्कूल का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने अभिभावकों का अदब व शिक्षिकों का भी अदब करना चाहिए,तभी वह जीवन में सफल होंगे।

पेड़ पर लटका मिला एक व्यक्ति का शव

पुरे गांव में पहेली सनसनी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
बेहट। सहारनपुर, सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर परिक्षेत्र में जंगल में एक पेड़ से लटका शव मिलने से सनसनी फैल गई। सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर परिक्षेत्र में रैन बसेरे के निकट से सहन्सरा ठाकुर जा रहे पहाड़ी रास्ते पर लगभग 44 वर्षीय व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिलने पर सनसनी फैल गई। शव को देखकर सहंसरा ठाकुर से लौट रहे श्रद्धालुओं द्वारा इसकी सूचना शाकंभरी पुलिस चौकी पर दी गई।जिस पर थाना मिर्जापुर

पुलिस व सीओ शशि प्रकाश शर्मा मौके पर पहुंचे और छानबीन की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त के प्रयास किए। लेकिन पहचान नहीं हो सकी।

जिला मजिस्ट्रेट ने स्वयं मौके पर पंहुचकर भूमाफियाओं से 50 हेक्टेयर से अधिक जमीन को कराया कब्जामुक्त

कब्जामुक्त कराई गयी भूमि का उपयोग किया जाएगा जनहित में, बनवाई जाएगी गौशाला

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 दिनेश चन्द्र ने जिला प्रशासन एवं पुलिस बल की टीम के साथ तहसील नकुड के ग्राम ढायकी मजरा शेरपुर टापू में भूमाफियाओं द्वारा कब्जा की गई 50 हेक्टेयर से अधिक भूमि को स्वयं मौके पर पंहुचकर कब्जामुक्त कराया। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने कृषकों से कहा कि इस भूमि से संबंधित यदि किसी कृषक के पास कोई दस्तावेज है तो वह नि:संकोच उपजिलाधिकारी या उनके सामने प्रस्तुत कर सकते है। जिसका परीक्षण कर नियमानुसार कृषक को उसका हक दिलाया जाएगा। उन्होंने सभी कृषकों को आश्वस्त किया कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने बताया कि कब्जामुक्त की गयी भूमि का उपयोग शासकीय परियोजनाओं में कर जनहित के लिए किया जाएगा। उन्होंने उपजिलाधिकारी

नकुड को निर्देशित किया कि मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से कब्जामुक्त कराई गयी भूमि पर गौआश्रय स्थल बनाने संबंधी प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाए। उन्होने बताया कि इस भूमि के एक गाटा पर माननीय उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश है जिस कारण उस पर अभी कोई कार्यवाही नहीं की गयी। जिला मजिस्ट्रेट डा.दिनेश चन्द्र ने बताया कि उक्त बंजर एवं नवीन परती भूमि वृहद मात्रा में कब्जामुक्त करवा कर सुरक्षित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा बडी कार्यवाही की गयी है। ऐसी कार्यवाहियां पूरे जनपद में की जा रही है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, उपजिलाधिकारी नकुड संगीता राघव सहित राजस्व एवं पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे।

सहारनपुर में दो बाइकों की टक्कर, पांच लोग हुए घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नागल थाना क्षेत्र के टपरी मार्ग पर दो बाइकों की टक्कर में पांच लोग घायल हो गए। जिसमें 45 वर्षीय रविंद्र कुमार की जिला अस्पताल में सुबह करीब सात बजे उपचार के दौरान मौत हो गई। सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया ने बताया कि इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है।

उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच ने सीओ को दिया ज्ञापन

देवबंद में बाहर से आए सैकड़ों की संख्या में अनजान लोगो का सत्यापन कराए जाने की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ *सहारनपुर । देवबंद, उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के कार्यकताओं ने सीओ देवबंद अशोक सिसौदिया को ज्ञापन देते हुए उनका ध्यान देवबंद में बाहर से आए सैकड़ों की संख्या में अनजान लडके-लडकियों की ओर दिलाते हुए उनका सत्यापन कराए जाने की मांग की है। उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं ने सीओ अशोक सिसौदिया को दिए ज्ञापन में कहा कि देवबंद नगर में पूर्व उत्तर प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों से सैकड़ों की संख्या में लड़के एवं लड़कियां आए हुए हैं और अपने आने का उद्देश्य पूछने पर भी वह नहीं बताते इसलिए उन सभी का सत्यापन कराया जाना चाहिए कि वह किन- किन स्थानो से आये है और यहां उन्हें कौन लाया है और उन लोगो का क्या उद्देश्य है। जन कल्याण मंच कार्यकर्ताओ ने सीओ को बताया कि सैकड़ों की संख्या में ऐसे लडके और लडकियां जिनकी अधिकतर उम्र 17,18 साल से 24, 25 साल के बीच है वह सुबह 7:00 बजे से सुबह 9:00 बजे तक के बीच में भारी संख्या एक साथ राज फॉर्म हाउस निकट देवीकुंड से मेला गेट एवं कुछ रॉयल प्लेस निकट मंगलौर पुलिस चौकी से नगर के मोहल्ले की ओर जाते हुए देखे जाते हैं। सूत्रों की माने तो यह बच्चे किसी ट्रेनिंग के नाम पर बाहर से लाये गए हैं लेकिन आज तक न तो लाने वालों का पता है और न ही किस कंपनी द्वारा भेजे गए हैं इसकी ही कोई जानकारी है। नगर के लोगों में एक डर सा बना हुआ है कि कोई अप्रिय घटना न हो जाये। जिससे देवबंद का नाम बदनाम ना हो। सीओ को ज्ञापन देने वालों में चौधरी ओमपाल सिंह, शिव कुमार कश्यप, अजय जाटव, सुखबीर, डॉ सुरेंद्र धीमान, अशोक शर्मा, बॉबी भटनागर, डॉ कल्याण सिंह, सुशील जाटव आदि मंच सदस्य मौजूद रहे।*

सहारनपुर में डीएम पंहुचे सेंट्रल वेयर हाउस, जांची ईवीएम की सुरक्षा

सुरक्षा कर्मियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 दिनेश चंद्र जनता रोड स्थित सेंट्रल वेयर हाउस में पहुंचे और वहां रखी ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को जांचा। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर डीएम बेहद संवेदनशील हैं। डॉ0 दिनेश चंद्र सेंट्रल वेयर हाउस पर पहुंचे और काफी देर तक जांच-पड़ताल की। उन्होंने पिछले दिनों की सभी सीसीटीवी फुटेज निकलवाकर चेक की। वहां तैनात अर्धसैनिक बल के जवानों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि किसी वाहन को अंदर नहीं जाने दिया जाए। यदि कोई अधिकारी भी निरीक्षण को आ रहे हैं तो उनकी कार को चेक करें और उनकी पूरी पहचान करने के बाद ही अंदर जाने दिया जाए। सहारनपुर और कैराना लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को चुनाव हुआ था। मतदान के बाद ईवीएम को सेंट्रल वेयर हाउस में कड़ी सुरक्षा में रखे गए हैं। यहां अर्धसैनिक बलों और पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरे सेंट्रल वेयर हाउस में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एक कंट्रोल रूम बनाया है, जहां पर एलईडी लगाई गई है। डीएम सेंट्रल वेयर हाउस पहुंचे और कैमरों के अलावा ईवीएम की सुरक्षा परखी। इस अवसर पर उनके साथ सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, उप जिलाधिकारी सदर युवराज सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार मौजूद रहे।

सहारनपुर के बड़गांव क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव

मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित हुए पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी सुरेंद्र शर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । बड़गांव, सहारनपुर जनपद के बड़गांव क्षेत्र में भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह में बड़गांव पहुंचे मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि हम 9 तारीख में अक्षय तृतीया के दिन रेणुका मंदिर से भगवान परशुराम जन्मोत्सव के लिए रेणुका से ज्योति लेकर आए है यह ज्योति जनपद सहारनपुर में जहां पर भी भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव होगा वहां पर पहुंचेगी। पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा के अनुज राहुल लखनपाल शर्मा भी मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण कभी किसी के आगे झुकता नहीं ब्राह्मण वह शक्ति है अगर किसी को श्राप दे दे तो उसे भस्म कर देता है इसलिए ब्राह्मण समाज अपनी एकता और अखंडता हमेशा बनाए रखें। परशुराम सामाजिक संस्था के अध्यक्ष विनोद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम जी की पूजा हर घर में होनी चाहिए। अक्षय तृतीया के दिन भगवान प शुराम जी की पूजा सभी करें। सर्व समाज को करनी चाहिए । भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह शोभायात्रा के संयोजक समाजसेवी ब्राह्मण नेता अतुल पाराशर ने कहा कि कल 19 तारीख को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में सहारनपुर के हरि मंदिर से आवास विकास से शोभायात्रा प्रारंभ सुबह 8ः00 बजे होगी। जनपद वासी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान परशुराम जन्मोत्सव यात्रा को सफल करें और भगवान परशुराम जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। नगर से विधायक प्रत्याशी रहे मुकेश दीक्षित, युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक, छात्र नेता अर्जुन पंडित, जागृति व ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष राजीव शर्मा, समाजसेवी दुष्यंत शर्मा, रविंद्रगुरुजी, शुभम वत्स, विजय शर्मा, भवसी, रामभूल शर्मा, राजेश पंडित, दिनेश शर्मा, आचार्य वासुदेव आदि ने अपने विचार रखें। भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता जनेश्वर शर्मा माजरा ने की संचालन अंकित शर्मा लाखनोर ने किया। कार्यक्रम आयोजक टीम सुमित कौशिक, विकास कौशिक, अनुभव शर्मा, जोगिंदर शर्मा, तपन शर्मा, जितेंद्र शर्मा, वीरेंद्र पाल, सुमित शर्मा, शुभम शर्मा, रामधन शर्मा, सुखपाल प्रधान, शिव कुमार शर्मा समेत बहुत संख्या में सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे।

शिक्षिका की सड़क हादसे में हुई मौत

बस स्टैंड पर कड़ी थी, तेज रफ्तार कार ने मरी टक्कर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सड़क हादसे में 27 वर्षीय शिक्षिका शिवांगी पुत्री शेरजंग की मौत हो गई। शिक्षिका शिवांगी पुवारका बस स्टैंड पर वाहन के इंतजार में खड़ी थी तभी लखनौती की ओर से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इसी कार की चपेट में आने से एक युवक भी घायल हो गया जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक पक्ष ने खेत में काम कर रहे दूसरे पक्ष पर किया जानलेवा हमला

दो पक्षों में वर्षों से चला आ रहा जमीनी विवाद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । गागलहेड़ी, क्षेत्र के गांव हरोड़ा में दो पक्षों में वर्षो से चले आ रहे जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष ने खेत में काम कर रहे दूसरे पक्ष पर जानलेवा हमला करते हुए दो युवको ने फायर कर दिए गोली चलने की आवाज सुनकर खेत में काम कर रहे किसानों को अपनी ओर आता देख हमलावर खेत के निकट तालाब में तमंचे फेंक कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हमलावरों की तलाश करते हुए तालाब में फेके गए तमंचे को लेकर ग्रामीणों की मदद से एक तमंचा 315 बोर का बरामद किया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करते हुए हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार गांव हरोड़ा निवासी सलीम पुत्र सफी के साथ गांव के शाहबाज पुत्र इकलाख के साथ करीब 15 वर्षो से जमीनी विवाद चल रहा है जो माननीय न्यायालय में विचाराधीन है। सुबह सलीम तथा उसका पुत्र अली शेर खेत में मशीन लगाकर गेहूं निकालने का कार्य कर रहे थे इस दौरान शाहबाज तथा उवेश पुत्र इसरार दोनों खेत पर पहुंच गए और सलीम को गाली-गलौच करते हुए मशीन बंद करने के लिए कहा जब उसने उनका विरोध किया तो उन्होंने उनके ऊपर देसी तमंचो से फायर करना शुरू कर दिया सलीम तथा उसका पुत्र अली शेर मशीन के पीछे छुप गए गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे हैं ग्रामीण मौके की ओर दौड़ पड़े ग्रामीणों को अपने ओर आता देख दोनों हमलावर खेत के नजदीक तालाब में तमंचे फेक कर फरार हो गए। सलीम ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से एक तमंचा 315 बोर का बरामद किया है। सीओ सदर रुचि गुप्ता ने बताया कि गांव हरोड़ा में दो पक्षों में जमीनी विवाद चल रहा था जिसके चलते एक पक्ष के दो व्यक्तियों ने खेत में काम कर रहे हैं दूसरे पक्ष पर गोलियां चला कर जानलेवा हमला किया है गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई मामले की जांच करते हुए संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बहन से मोबाइल पर बात करने वाले युवक की हत्या, बहन का भाई भी गंभीर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की मंड़ी कोतवाली के अंतर्गत शिराज कालोनी में बीती देर रात चार-पांच युवकों ने दो सगे भाईयों 26 वर्षीय अहकाम और 23 वर्षीय जुनैज पर सोते समय हमला कर दिया। हमलावरों ने जुनेज के सिर पर हथौड़े से कई वार किए। अहकाम ने उसे बचाने की कोशिश की तो उसे भी हमला कर गंभीर रूप से घायल किया। दोनों भाइयों के सिर की हड्डी टूट गई। एक प्राइवेट नसिंग होम में जुनेज की मौत हो गई। अहकाम को अभी होश नहीं आया है। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने समीर और राजा नामक दो हमलावरों को हिरासत में लिया है। जुनेज के पिता इमरान ने दोनों के खिलाफ हत्या की नामजद रिपोर्ट कराई थी। पुलिस निरीक्षक नेम चंद के मुताबिक जुनेज गांव घोघरे की निवासी एक लड़की से मोबाइल फोन पर बात करता था। लड़की का भाई समीर इस बात के बहुत खिलाफ था। इस मामले को लेकर दोनों पक्षों में पंचायत भी हुई थी। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक लड़की के भाई समीर ने अपने साथी राजा और कुछ अन्य युवकों को साथ लेकर रात में दोनों भाइयों पर जानलेवा हमला किया।

खरगोन के भीकनगांव में धूमधाम से निकली गयी भगवान परशुरामजी जी की शोभायात्रा

पियूष अग्रवाल ।सिटी चीफ खरगोन, भीकनगांव सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा नगर में 8 दीनी आयोजन के अंतिम दिन बाद आज भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर शनिवार को ब्रह्मण समाज द्वारा शहर में विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली गई सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष आनद शर्मा व सर्व ब्राह्मण युवा मंच के सदस्यो ने बताया कि यह यात्रा भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में निकाली गई इस यात्रा नगर के गायत्री मन्दिर बस स्टैंड से शुरू हुई जो मेंनरोड, गांधी चौक, छोटा चौराहा, झिरन्या रोड, मंडी रोड कालका मन्दिर चोक सही नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए कार्यक्रम स्थल नगर परिषद पहुची। इस दौरान यात्रा का अनेक सामाजिक संगठनों ने जगह - जगह स्वागत मंच लगा कर स्वागत किया व जलपान की व्यवस्था की बस स्टैंड पत्रकार संघ थाने के सामने बीजेपी कार्यकर्ता बड़े चोराहे पर मराठा समाज मार्केटिंग सोसायटी पर ठाकुर परिवार शंकर मंदिर पास स्वामीविवेकन्द ग्ररुप आदि समिजक संगठनों द्वारा स्वागत किया गया।

कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद औचक निरीक्षण करने पहुंचे जिला चिकित्सालय

कलेक्टर ने चिकित्सालय में मौजूद मरीजों से की बातचीत

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद जिला चिकित्सालय में औचक निरीक्षण करने पहुंचे अस्पताल पहुंचने के बाद कलेक्टर ने मौजूद मरीजों से बातचीत की ओर सिविल अस्पताल की सुविधाओं के बारे में पूछा तो एक मरीज ने कलेक्टर को बताया की वो बोहरीबंद तहसील से अपनी पत्नी जो की गर्भवती है उसको जांच के लिए जिला अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर श्रद्धा दिवेदी को चेक कराने आया था जिला अस्पताल में मौजूद आशा कार्यकर्ताओं ने महिला मरीज के पति को बरगला कर डाक्टर श्रद्धा दिवेदी की सिविल लाइन स्थित क्लिनिक में ले गए इतनी बात सुनते ही मामले की सत्यता जानने के लिए कलेक्टर अवि प्रसाद फरियादी मरीज के पति छोटे लाल कोल को बैठा कर डॉक्टर के सरकारी आवास पर पहुंचे जहा कलेक्टर साहब को देख हड़कंप मच गया और मरीज ने बताया की वो सिविल लाइन स्थित डॉक्टर श्रद्धा दिवेदी के यहां पर अपनी मरीज को लाए थे।

कलेक्टर ने इस मुद्दे पर मीडिया से कुछ नही बोला उन्होंने ये जरूर बताया है की डॉक्टर के खिलाफ वो कार्यवाही कर रहे है हालाकि जिला अस्पताल में आशा कार्यकर्ताओं का ये रोज का काम है पर अभी तक ऐसी कार्यवाही नही हुई है। वही जिला अस्पताल में पहुंच रही सभी आशा कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए उनके बयानों को दर्ज किया जा रहा है। वहीं अधिकांश यह देखा गया है कि जो आशा कार्यकर्ता जिला अस्पताल पहुंच रही हैं और जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं को जो दवाई जिला अस्पताल से लिखी जा रही हैं वह प्राइवेट मेडिकल से दिलाती हुई दिखाई दे जा चुकी है।

कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग, गंजीपुरा इलाके में मची अफरातफरी

जबलपुर। शहर के सबसे व्यस्ततम गंजीपुरा मार्केट स्थित एक तीन मंजिला कपड़े की दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ग्राउंड फ्लोर में लगी आग तेजी से ऊपर की ओर फैल गई और उसकी चपेट में ऊपरी मंजिल की होजयरी दुकान भी चपेट में आ गई।आनन-फानन में क्षेत्रीय नागरिक व दुकानदारों ने नगर निगम की दमकल शाखा को सूचना दी। मौके पर चार दमकल वाहन रवाना किए गए। दमकलकर्मी पानी की बौछार कर आग बुझाने की कवायद में अब भी जुटे हैं। नगर निगम के दमकलकर्मियों के मुताबिक करीब 10 बजे हरदौल मंदिर के समीप कपड़े की दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। तुरंत ही चार दमकल वाहन रवाना किए गए। आग तीन मंजिला इमारत के निचले हिस्से से होकर ऊपर तक पहुंच गई थी। आग भड़कती देख बाद में तीन टैंकर और रवाना किए गए। आग कपड़े की दुकान में लगी थी। संकरी गलियां होने के कारण आग को काबू करने नगर निगम का काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। आग लगने का कारण अभी अज्ञात है। आग में लाखों रुपये के नुकसान की आंशका जताई जा रही है।

बाइडेन के फैसले बाद चीन ने भी दिखाई हेकड़ी बोला- हमने 53 अरब डॉलर के यूएस बांड किए डंप

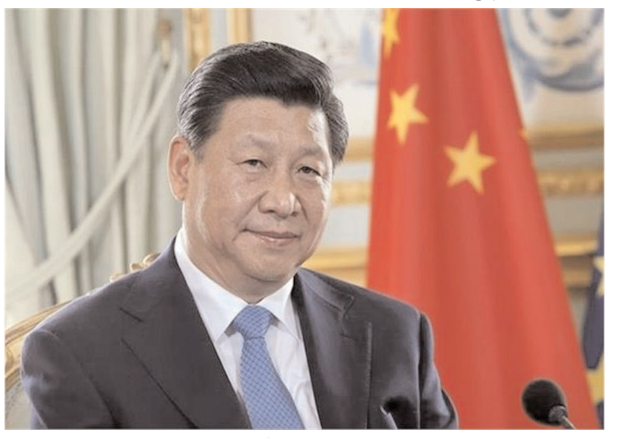

इंटरनेशनल डेस्कः अमेरिका द्वारा चीन के उत्पादों पर नए व भारी टैक्स लगाने के ऐलान से भड़के ड्रैगन ने इसका दृढ़ता से विरोध करते हुए अमेरिका को हेकड़ी दिखाई है। अमेरिका के इस फैसले के जवाब में चीन की जिनपिंग सरकार ने घोषणा की कि उसने कम से कम 53.3 बिलियन मूल्य के अमेरिकी बांड बेचे हैं। चीन का यह जवाब पश्चिमी देशों पर निर्भरता से दूर जाने के बारे में रूस के साथ अपने संयुक्त बयान के बाद आया है।

स्विस आर्थिक विशेषज्ञ क्लाउडियो ग्रास के अनुसार यूएसडी से दूर विविधता लाने का यह एक बुद्धिमान निर्णय है। 2021 के बाद से सोने ने यूएसडी बॉन्ड से 75% बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, अमेरिकी सरकार के दबाव के कारण अमरीकी डालर का उपयोग पहले से ही एक राजनीतिक हथियार के रूप में और संपत्तियों की मनमानी जब्ती के लिए दशकों से किया जा रहा है।

बता दें कि अमेरिका ने चीन से इंपोर्ट होने वाले तमाम सामानों पर 100 प्रतिशत तक का टैक्स लगा दिया है। इन सामानों में इलेक्ट्रिक वाहन, स्टील, एल्यूमीनियम, सोलर पैनल और सेमीकंडक्टर्स तक शामिल हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि ये उपाय चीन की अनुचित व्यापार प्रथाओं के मद्देनजर अमेरिकी श्रमिकों और व्यवसायों की रक्षा के लिए डिज़ाइन किए गए थे, जिसमें कृत्रिम रूप से कम कीमत वाले निर्यात के साथ वैश्विक बाजारों में बाढ़ भी शामिल है।

अफगानिस्तान में बम का गोला फटने से 2 बच्चों की मौत, 1 घायल

नेशनल डेस्कः उत्तरी अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में एक विस्फोटक गोले के फटने से दो बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है और अन्य एक घायल हो गया है। प्रांतीय पुलिस के एक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना प्रांत के बल्ख जिले में उस हुई जब शुक्रवार दोपहर को बच्चों को खेलते समय एक गोला मिला और बच्चे बॉल समझ कर उससे खेलने लगे। इसी दौरान गोला फट गया, जिससे दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गयी और अन्य एक घायल हो गया।

बयान के अनुसार यह गोला उस समय रह गया था जब देश में 2020 में तालिबान ने दोबारा से अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया और इस दौरान कई बिना फटे गोले जमीन में दबे रह गये होंगे। इसी तरह, शुक्रवार को पश्चिमी अफगानिस्तान के बदगीस प्रांत में एक बिना फटे गोले से खेलने के दौरान वह फट गया, जिससे एक बच्चे की मौत हो गई। गौरतलब है कि युद्ध से तबाह अफगानिस्तान कथित तौर पर दुनिया के सबसे अधिक बारूदी सुरंग वाले देशों में से एक है, जहां हर महीने कई लोग मारे जाते हैं और दिव्यांग हो जाते हैं। इनमें ज्यादातर बच्चे शामिल हैं।

कनाडा में किसान को खेत में मिला अंतरिक्ष यान का जला हुआ टुकड़ा

विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

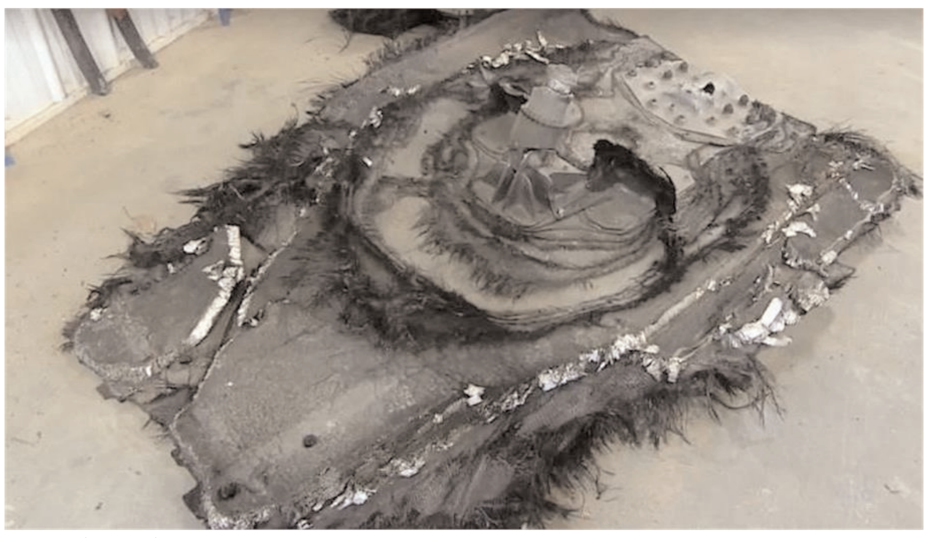

इंटरनेशनल डेस्कः कनाडा के सस्केचेवान में एक किसान के खेत में दुर्घटनाग्रस्त स्पेसएक्स का 88द्यड्ढ अंतरिक्ष यान का टुकड़ा मिला है । बैरी सॉचुक को अपने बेटे के साथ खेतों की जाँच करते समय अंतरिक्ष यान के हिस्से धातु का जला हुआ टुकड़ा मिला तो वो हैरान रह गया ।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अंतरिक्ष में इस तरह की गिरावट गंभीर परिणाम दे सकती है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अंतरिक्ष यान के इस तरह टुकड़े गिरने से गंभीर चोट लग सकती है या मौत हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगर वह न्यूयॉर्क शहर के मध्य में गिरा होता, तो यह बहुत आसानी से किसी की जान ले सकता था।

पाकिस्तान में गड्डे में गिरा मिनी ट्रक

पांच बच्चों समेत एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत

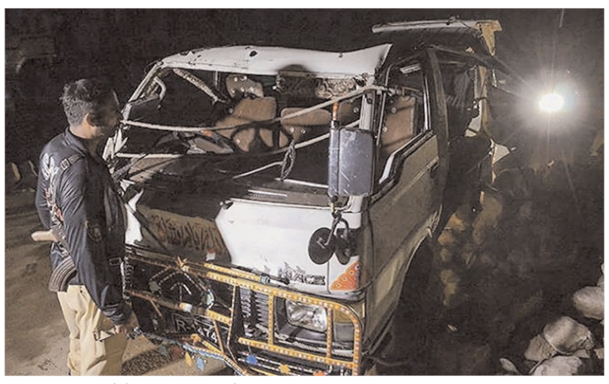

इंटरनेशनल डेस्कः पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शनिवार को एक मिनी ट्रक के सड़क से फिसलकर गड्ढे में गिर जाने से उसमें सवार पांच बच्चों सहित एक ही परिवार के कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। बचाव अभियान में जुटे अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रेस्क्यू-1122 के मुताबिक, यह मिनी ट्रक खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले से पंजाब के खुशाब जिले की ओर आ रहा था, तभी यह हादसा हुआ। लाहौर से करीब 250 किलोमीटर दूर खुशाब के पेंच पीर इलाके में एक मोड़ पर मिनी ट्रक सड़क से फिसलकर गड्ढे में गिर गया। एक अधिकारी ने बताया, ''पांच बच्चों समेत 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। नौ घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गति के कारण मिनी ट्रक के चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिस कारण यह हादसा हुआ। पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को घायलों को बेहतर उपचार सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

बेंगलुरु से कोच्चि जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के इंजन में लगी

कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नेशनल डेस्कः बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान के एक इंजन में आग लगने के बाद उसे बेंगलुरु में आपात स्थितियों में उतारा गया। बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) ने रविवार को यह जानकारी दी। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने घटना के संबंध में एक बयान जारी करके कहा कि सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को विमान से सुरक्षित निकाल लिया गया और कोई भी घायल नहीं हुआ।

उड़ान भरने के बाद आग का पता लगा

सूत्रों के अनुसार, विमान के उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही एक इंजन में आग लगने का पता चला। चालक दल के सदस्यों ने हवाई यातायात नियंत्रक को इसकी सूचना दी। इसके बाद विमान को यहां केंपेगौडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर आपात स्थिति में उतारा गया और आग पर काबू पाया गया। बीआईएएल के एक प्रवक्ता ने कहा, ''18 मई 2024 को बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे विमान के एक इंजन में आग लगने की सूचना के कारण उसे बेंगलुरु हवाई अड्डे पर रात 11 बजकर 12 मिनट पर आपात स्थितियों में उतारा गया।

सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला

बीआईएएल ही केआईए के संचालन का जिम्मा संभालती है। बीआईएएल के प्रवक्ता ने बताया कि पूर्ण पैमाने पर आपात स्थिति की घोषणा की गई और आग पर तत्काल काबू पाया गया। सभी 179 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को विमान से सुरक्षित निकाल लिया गया। एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा, ''आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए नियामकों के साथ गहन जांच की जाएगी।

उत्तराखंड के टनकपुर से भी प्रसिद्ध कैलाश यात्रा का हुआ आगाज

2 मार्गों से की जाएगी संचालित

नैनीतालः उत्तराखंड की प्रसिद्ध आदि कैलाश यात्रा शनिवार को कुमाऊं मंडल के टनकपुर से भी प्रारंभ हो गई है। यहां से पहली बार यात्रा का आगाज हुआ है। अब यह यात्रा दो मार्गों से संचालित की जाएगी। पहले यात्री दल को आज टनकपुर से कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने हरी झंडी दिखाई। इस दल में विभिन्न राज्यों के कुल 50 यात्री शामिल हैं। इनमें 20 महिलाएं भी शामिल हैं। उत्तराखंड सरकार की पहल पर आयोजित यह यात्रा सात दिन चलेगी और तीर्थयात्री मानस खंड मंदिर माला के साथ ही कुमाऊं मंडल के विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के दीदार कर सकेंगे। यात्री दल चंपावत, पिथौरागढ़ के रास्ते आदि कैलाश पहुंचेंगे और चौकोड़ी से पाताल भुवनेश्वर होते हुए वापस काठगोदाम लौटेंगे। आदि कैलाश यात्रा को लेकर तीर्थ यात्रियों और स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखा गया। वहीं मंडलायुक्त रावत ने इस मौके पर यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि कैलाश पर्वत अपने में अलौकिक तो हैं ही साथ ही यात्रा मार्ग भी बेहद खूबसूरत हैं। यही नहीं हिम राज के विहंगम एवं मन को चिर शांति प्रदान करने वाले मनमोहक दृश्य हैं, जो अलग अनुभूति प्रदान करते हैं। तीर्थ यात्री मानस खंड मंदिर माला के तहत सभी धार्मिक स्थलों तथा पर्यटन स्थलों के दर्शन कर सकेंगे। जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने कहा कि यह कुमाऊं मंडल की अहम यात्रा है और पहले से अधिक सुगम और सुविधायुक्त हो गई है।

इससे पहले कुमाऊ मंडल निगम (केएमवीएन) की ओर से तीर्थ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर यात्री दल की ओर से एक पौधा रोपा गया। इस दल में राजस्थान के अपर जिलाधिकारी उम्मेद सिंह, एडीजी दीपक पाराशर एवं 1998 से लगातार यात्रा कर रहे बाबा कैलाश नाथ शामिल हैं।

नीदरलैंड में 29 साल की महिला को इच्छा मृत्यु की मिली मंजूरी

3 साल से कर रही थी कोशिश

इंटरनेशनल डेस्कः नीदरलैंड में एक 29 साल की महिला को इच्छा मृत्यु की अनुमति मिल गई है। महिला का नाम जोराया टेर बीक है, जो नीदरलैंड में जर्मनी के बॉर्डर के पास रहती हैं। इच्छा मृत्यु के लिए उसने साढ़े तीन साल तक नीदरलैंड के प्रशासन को मनाने की कोशिश की । द गार्जियन के मुताबिक उसे इसी महीने इच्छा मृत्यु दी सकती है। कई सालों से ऑटिज्म और असहनीय मानसिक परेशानियों से जूझ रही जोराया कई बार खुद को मारने और चोट पहुंचाने की कोशिश कर चुकी थी ।

जोरायो को लगा कि उनकी समस्या का अब कोई हल नहीं है। इसके चलते उन्होंने इच्छा मृत्यु की मांग की थी। हालांकि, जोराया शारीरिक रूप से बिल्कुल फिट है। ऐसे में उनकी इच्छा मृत्यु को मिली मंजूरी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि मानसिक बीमारियों से जूझ रहे लोग तेजी से इच्छा मृत्यु को अपना रहे हैं।

द गार्जियन के अनुसार जोराया ने बताया कि उसकी परेशानियां बचपन में ही शुरू हो गई थीं। उनको क्रॉनिक डिप्रेशन, एंग्जायटी, ट्रॉमा और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर जैसी समस्याएं होने लगी। इसके अलावा उन्हें ऑटिज्म की भी समस्या थी। इसमें वह खुद को ही चोट पहुंचाने लगी। कुछ साल बाद जब जोराया को एक पार्टनर मिला तो उन्हें लगा था कि सब ठीक हो जाएगा। उनकी मानसिक समस्याएं अब दूर हो जाएंगी, मगर कोई हल नहीं निकला। जोराया ने खुद को नुकसान पहुंचाना जारी रखा। जोराया ने अपनी बीमारियों से लड़ने के लिए इलेक्ट्रोकन्वलसिव थेरेपी की 30 से ज्यादा थेरेपी ली। इसमें रोगी को बिजली के झटके दिए जाते हैं। मगर उसकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ।

जोराया ने कहा कि 10 सालों तक कई तरीकों से अपना इलाज कराने के बाद आखिरकार निराश होकर उसने स्वस्थ जीवन जीने की उम्मीद छोड़ दी। इसके बाद उसने इच्छा मृत्यु के लिए आवेदन दिया। उन्होंने कहा कि इच्छा मृत्यु पाना इतना भी आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि आप शुक्रवार को मरने की सोचें और रविवार को आपको मौत मिल जाए। यह लंबी प्रोसेस होती है जिसमें आप कई डॉक्टरों से मिलते हैं। जो तय करते हैं कि आपकी इच्छा मृत्यु की मांग उचित है या नहीं। हर स्टेज पर डॉक्टर आपसे ये पूछते हैं कि क्या आप जान देने को तैयार हैं? हर और बार उसे इसके लिए हामी भरनी पड़ती।

बता दें कि नीदरलैंड वह पहला देश है जिसने इच्छा मृत्यु को कानूनी अनुमति दी है। साल 2001 में वहां इच्छा मृत्यु को वैधता मिली। नीदरलैंड में आमतौर पर इच्छा मृत्यु की मंजूरी मिलने के बाद डॉक्टर्स लास्ट टाइम प्रोसीजर संबंधित व्यक्ति के घर पर ही करते हैं।

इस दौरान पेशेंट को एक खास तरह का इंजेक्शन दिया जाता है और कुछ ही मिनट में उसकी मौत हो जाती है। खास बात यह है कि मौत के बाद भी इस मामले की जांच होती है। अगर डॉक्टर्स की जरा भी लापरवाही सामने आती है तो उन्हें 12 साल की कैद हो सकती है। 2022 के दौरान नीदरलैंड में कुल 8501 लोगों ने इस कानूनी तरीके से प्राण त्यागे थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569